बर्षः- 05
अंकः- 344
मुरादाबाद
(Thursday)
09 April 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक

प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

कृषि विज्ञान कांग्रेस-2026ः सीएम योगी बोले- हमने नौ साल में यूपी में कृषि उत्पादन 8 से बढ़ाकर 18 फीसदी कर दिया

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वैदिक काल से ही भारत की कृषि उत्पादन से उद्यमिता को बढ़ावा देने वाली रही है लेकिन आक्रांताओं ने यहां की खेती पर ही हमला नहीं किया बल्कि यहां की उद्यमिता पर भी हमला किया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश भारत की सबसे ज्यादा आबादी वाला राज्य है। यहां पर दुनिया की सबसे उर्वरा भूमि और सबसे अच्छा जल संसाधन है। भारत की कुल आबादी की 16-17 फीसदी जनसंख्या उत्तर प्रदेश में निवास करती है। राज्य के पास देश की 11 प्रतिशत कृषि योग्य भूमि है पर इस 11 फीसदी भूमि में भारत के कुल खाद्यान्न का 21 फीसदी उत्पादन उत्तर प्रदेश करता है। उन्होंने कहा कि थोड़ा प्रयास करने पर परिणाम कैसे आते हैं ये बीते नौ वर्षों में देखा जा सकता है। हमने बीते नौ साल में कृषि विकास दर को उत्तर प्रदेश में 8 फीसदी से बढ़ाकर 18 फीसदी तक पहुंचाने में सफलता प्राप्त की है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ में छठी उत्तर प्रदेश कृषि विज्ञान कांग्रेस-2026 के शुभारंभ के अवसर पर संबोधित कर रहे थे।उन्होंने कहा कि यहां जितने कृषि वैज्ञानिक और शोधार्थी हैं उन्होंने भारत के राष्ट्रगीत वंदेमातरम की गाथा को सुना होगा। यह भारत के आनंदमठ उपन्यास का एक पार्ट है। जो कि बंगाल की त्रासदी पर आधारित गीत है।बंगाल में जब अकाल पड़े थे। लोग भूखे मर रहे थे। वहां के एक जमीदार महेंद्र नाथ के परिवार पर किस प्रकार जुल्म हुआ था। इससे पता चलता है। फिर सन्यासी विद्रोह हुआ। ब्रिटिश औपनिवेशिक काल में किस प्रकार शोषण होता था, उसकी पूरी गाथा आनंदमठ में समाहित की गई है। भारत के उत्पादक किसान को कर्जदार बना दिया गया। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जब भारत का दुनिया की 44-45 फीसदी अर्थव्यवस्था पर अधिकार था तब उसका आधार भारत की कृषि थी। अन्नदाता किसान और कारीगर इसका आधार थे। किसान सिर्फ खेती तक सीमित नहीं थे। वह कारीगर भी था। दोनो काम मिलकर होते थे। किसान उत्पादक था और जब कारीगर बनकर कार्य करता था तो उद्यमी के रूप में भी खुद को स्थापित करता था।उन्होंने कहा कि भारत की कृषि उत्पादक से उद्यमी बनने की गाथा है। आक्रांताओं ने खेती पर ही हमला नहीं किया था बल्कि यहां की उद्यमिता पर भी हमला किया।

संक्षिप्त समाचार

कर्मचारियों के खिलाफ जांच और कार्रवाई का ब्योरा होगा ऑनलाइन, प्रमुख सचिव ने जारी किया शासनादेश

मानव संपदा पोर्टल के सभी ऑफिस एडमिन आईडी अपने रिपोर्टिंग में कार्यरत सभी कार्मिकों की जानकारी अपडेट करेंगे। जिन कार्मिकों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई या सतर्कता जांच चल रही है उनके मामलों में संबंधित कॉलम में हां लिखा जाए। अब राज्य कर्मियों के खिलाफ चल रही जांच, विभागीय कार्रवाई और सतर्कता जांच संबंधी सूचना मानव संपदा पोर्टल पर ऑनलाइन दर्ज की जाएगी। इस संबंध में प्रमुख सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक एम. देवराज ने शासनादेश जारी कर दिया है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को इसका कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा है।शासनादेश में कहा गया है कि मानव संपदा पोर्टल के सभी ऑफिस एडमिन आईडी अपने रिपोर्टिंग में कार्यरत सभी कार्मिकों की जानकारी अपडेट करेंगे। जिन कार्मिकों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई या सतर्कता जांच चल रही है उनके मामलों में संबंधित कॉलम में हां लिखा जाए। साथ ही विभागीय कार्रवाई और सतर्कता जांच की जानकारी ऑनलाइन उसके सर्विस बुक में भी दर्ज करें। जिस कार्मिक के खिलाफ कोई जांच नहीं है उसके फार्म के आगे नहीं लिखा जाए।जानकारी ऑनलाइन अपडेट करने के लिए विभागीय अधिकारियों को प्रारूप भी भेजा गया है। आदेश में कहा गया है कि एडमिन विभागीय कार्रवाई से संबंधित स्थिति यूजर लॉगिन विंडो में अपडेट करेंगे।

ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग पर हमला, कहा कई धार्मिक संगठनों से जुड़े लोगों के नाम कटे

ममता बनर्जी ने एसआईआर पर चुनाव आयोग पर हमला करते हुए धार्मिक संस्थाओं और अल्पसंख्यक क्षेत्रों के मतदाताओं के नाम हटाने का आरोप लगाया। साथ ही माकपा पर भाजपा से गुप्त समझौते कर वोट बांटने का भी आरोप लगाया।पश्चिम बंगाल में चुनाव को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी लगातार विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का मुद्दा उठ रही हैं। आज सीएम ने एसआईआर के मुद्दे पर भारतीय चुनाव आयोग पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आयोग पर आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया के दौरान उसने विभिन्न धार्मिक और धर्मार्थ संगठनों के सदस्यों को भी नहीं बख्शा।मुख्यमंत्री ने नदिया और उत्तर 24 परगना जिलों में तीन चुनावी रैलियों को संबोधित किया। इनमें से दो रैलियों में, आयोग पर हमला बोलते हुए उन्होंने विशेष रूप से स्वामी विवेकानंद द्वारा स्थापित रामकृष्ण मठ और रामकृष्ण मिशन, तथा मदर टेरेसा द्वारा स्थापित %मिशनरीज़ ऑफ़ चैरिटी% का नाम लिया।मिशनरीज ऑफ चैरिटी से जुड़े लोगों का नाम हटायामुख्यमंत्री ने कहा कि यह सुनकर बहुत दुख हुआ कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान %मिशनरीज़ ऑफ़ चैरिटी% से जुड़े 300 लोगों के नाम हटा दिए गए हैं। रामकृष्ण मठ और रामकृष्ण मिशन के संन्यासियों के नाम भी काटे गए। अल्पसंख्यकों के जिलों को बनाया गया निशानाममता बनर्जी ने अपने संबोधन में कहा कि प्रक्रिया के दौरान आयोग ने विशेष रूप से उन जिलों को निशाना बनाया जहां अल्पसंख्यकों और सामाजिक रूप से पिछड़े समुदायों की आबादी ज्यादा है। मालदा, मुर्शिदाबाद, उत्तर दिनाजपुर, दक्षिण 24 परगना, उत्तर 24 परगना और नदिया जैसे जिलों में सबसे ज्यादा नाम हटाए गए हैं।किन समुदायों को बनाया गया निशाना -उत्तर 24 परगना के बनगांव उप-मंडल में, मतुआ समुदाय के लोगों को निशाना बनाया गया है। वहीं नदिया के चकदाहा और हरिणघाटा जैसे इलाकों और उत्तर 24 परगना के गाइघाटा में मतदाता सूची से बड़ी संख्या में नामों को हटाया गया है। माकपा पर भाजपा की मदद का आरोप-

मुख्यमंत्री ने माकपा पर कई विधानसभा क्षेत्रों में भारतीय जनता पार्टी के साथ गुपचुप समझौता करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि माकपा के नेताओं को पता था कि वे जीत नहीं पाएंगे, इसलिए वे भाजपा विरोधी वोटों को बांटकर भाजपा की जीत पक्की करने की कोशिश करेंगे।

खरगे ने खेद जताया: गुजरात के अपमान पर सियासी रार! कांग्रेस अध्यक्ष बोले- मेरी बातों का गलत मतलब निकाला गया

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुजरात के लोगों को अशिक्षित बताने वाले अपने बयान पर खेद जताया है। उन्होंने कहा कि उनके भाषण को गलत तरीके से पेश किया शशि थरूर ने भी दी थी प्रतिक्रिया

वहीं कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी इस मामले पर अपनी राय रखी।

उन्होंने कहा कि राजनीति में बातचीत का स्तर लगातार गिर रहा है। हमें अपनी भाषा का स्तर उन लोगों जैसा नहीं करना चाहिए जो अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने आगे कहा नेताओं को अपनी भाषा की मर्यादा बनाए रखनी चाहिए। अब चुनाव से ठीक पहले खरगे ने इस मामले पर खेद जताकर विवाद को शांत करने की कोशिश की है। बता दे कि केरल की 140 सीटों पर 9 अप्रैल को मतदान होना है।न खरगे ने केरल में दिए अपने एक चुनावी भाषण पर सफाई दी है। उन्होंने अपने बयान पर गहरा खेद व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी टिप्पणियों को जानबूझकर गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। खरगे ने साफ किया कि उनका इरादा गुजरात के लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाना कभी नहीं था। उन्होंने कहा कि गुजरात के लोगों के प्रति उनके मन में हमेशा सर्वोच्च सम्मान रहा है और आगे भी रहेगा।क्यों हुआ था विवाद?

यह विवाद तब शुरू हुआ जब खरगे ने केरल के इडुक्की जिले में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। वहां उन्होंने केरल के लोगों की शिक्षा और समझदारी की तारीफ की थी। इसी दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन पर निशाना साधते हुए कहा था कि वे उन लोगों को मूर्ख बना सकते हैं जो कम पढ़े लिखे हैं, जैसा कि गुजरात और कुछ अन्य जगहों पर होता है। उन्होंने कहा था कि केरल के जागरूक मतदाताओं को गुमराह करना मुमकिन नहीं है।

ट्रंप की चेतावनी पर राहुल गांधी का बड़ा बयानः सभ्यता खत्म करने की बात अस्वीकार्य, परमाणु हथियार कभी जायज नहीं

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बयान पर प्रतिक्रिया दी है। दरअसल, ट्रंप ने ईरान को अपनी धमकी में एक पूरी सभ्यता को खत्म करने की धमकी दी है। इस पर राहुल ने कहा कि सभ्यता खत्म करने की बात अस्वीकार्य और आधुनिक युग में परमाणु हथियार कभी जायज नहीं है।अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच भारतीय राजनीति में भी हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस चेतावनी पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है, जिसमें ट्रंप ने कहा था कि अगर ईरान ने समझौता नहीं किया तो %पूरी सभ्यता खत्म हो सकती है।% राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साफ शब्दों में कहा कि आज के आधुनिक दौर में ऐसी भाषा या सोच बिल्कुल स्वीकार नहीं की जा सकती, जो पूरी मानव सभ्यता के अंत की बात करे। उन्होंने कहा कि युद्ध भले ही दुनिया की सच्चाई हो, लेकिन किसी भी हालत में परमाणु हथियारों का इस्तेमाल सही नहीं ठहराया जा सकता। उनका कहना था कि %किसी भी परिस्थिति में परमाणु हथियारों का उपयोग जायज नहीं है।%ट्रंप ने पूरी सभ्यता खत्म करने की दी धमकी- बता दें कि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को एक डेडलाइन दी थी, जिसमें कहा गया था कि अगर ईरान समझौते के लिए तैयार नहीं होता, खासकर होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने के मुद्दे पर, तो गंभीर परिणाम होंगे। ट्रंप ने यहां तक कह दिया कि %एक पूरी सभ्यता खत्म हो सकती है%, जिससे वैश्विक स्तर पर चिंता बढ़ गई है। इस बीच अमेरिका ने ईरान के अहम तेल केंद्र खर्ग द्वीप पर दो बार हवाई हमले किए हैं। यह जगह ईरान के तेल निर्यात के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है। हमलों में पुल और रेलवे स्टेशन जैसे बुनियादी ढांचे को भी निशाना बनाया गया है। अमेरिका के खिलाफ ईरान का सख्त रुख दूसरी ओर, ईरान ने भी सख्त रुख अपनाया है। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के प्रतिनिधि आमिर-सईद इरावानी ने कहा है कि अगर अमेरिका ने कोई बड़ा हमला किया, तो ईरान तुरंत और उसी अनुपात में जवाब देगा। वहीं ईरान सरकार ने अपने नागरिकों, खासकर युवाओं से अपील की है कि वे बिजली संयंत्रों और अहम ठिकानों के आसपास मानव श्रृंखला बनाकर सुरक्षा में सहयोग करें।गौरतलब है कि ट्रंप पहले भी कई बार ऐसी डेडलाइन दे चुके हैं, जिन्हें बाद में बढ़ाया गया। लेकिन इस बार उन्होंने इसे %अंतिम चेतावनी% बताया है, जिससे हालात और ज्यादा गंभीर हो गए हैं।

तृणमूल कांग्रेस का चुनाव आयोग पर आरोप, कहा- पिछले दरवाजे से प्रशासन पर कब्जा

देश के तीन राज्यों असम, केरल और पुदुचेरी में कल यानी गुरुवार को एक चरण में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होगा। पश्चिम बंगाल में 23 और 29 अप्रैल को वोटिंग होगी। वहीं, तमिलनाडु में 23 अप्रैल को मतदान होगा। कौन सा दल किस मुद्दे के सहारे जनता के बीच जा रहा है? किस राज्य में कौन सा गठबंधन या रणनीति अधिक कारगर साबित होगी?तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता जय प्रकाश मजूमदार ने कहा कि केंद्र सरकार के इशारे पर चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल और टीएमसी को निशाना बना रहा है। चुनाव आयोग ने पीछे के दरवाजे से राज्य प्रशासन और पुलिस पर कब्जा कर लिया है। उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नामांकन को लेकर कहा, ममता दीदी पहले ही साफ कर चुकी हैं कि 294 सीटों पर वही असली चेहरा हैं। भले ही अलग-अलग सीटों पर अलग उम्मीदवार खड़े हों, लेकिन जनता के लिए चुनाव का मतलब ममता बनर्जी ही हैं।

उन्होंने कहा कि भवानीपुर सीट से ममता बनर्जी एक अनडिस्प्यूटेड यानी बिना किसी चुनौती वाली उम्मीदवार हैं। स्थानीय लोग उन्हें अपने परिवार का हिस्सा मानते हैं और जमीन से जुड़ा नेता समझते हैं। इस वजह से भवानीपुर में ममता बनर्जी रिकॉर्ड वोटों से जीत हासिल करेंगी। जय प्रकाश मजूमदार ने चुनाव आयोग पर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग लगातार तृणमूल कांग्रेस को निशाना बना रहा है और पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था को लेकर गलत तस्वीर पेश की जा रही है। उनका आरोप है कि चुनाव आयोग ने पीछे के दरवाजे से राज्य के प्रशासन और पुलिस पर कब्जा कर लिया है।तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली पूर्व और पेराबुर विधानसभा क्षेत्र से टीवीके प्रमुख और उम्मीदवार विजय ने तिरुनेलवेली में रोड शो किया।चुनाव आयोग की तृणमूल कांग्रेस को दो टूक पश्चिम बंगाल में इस बार चुनाव भय रहित, हिंसा रहित, धमकी रहित, प्रलोभन रहित, छापा रहित, बूथ एवं सोर्स जामिंग रहित होकर ही रहेंगे।पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भवानीपुर निर्वाचन क्षेत्र से नामांकन दाखिल करने के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, मैं सभी को अपनी शुभकामनाएं, धन्यवाद, सम्मान, सलाम, जय जिनेंद्र और सत श्री अकाल का संदेश देती हूं। आज नामांकन दाखिल करते हुए मैं कहना चाहती हूं कि भवानीपुर निर्वाचन क्षेत्र के साथ-साथ मैं हर केंद्र और हर क्षेत्र के लिए काम करूंगी। हम सरकार बनाएंगे।पुदुचेरी में मतदाता जागरूकता के लिए चुनाव आयोग की ओर से गांधी प्रतिमा के सामने स्तंभ स्थापित किया गया है। चुनाव आयोग ने व्यापक अभियान चलाकर लोगों को मतदान प्रक्रिया व ईवीएम के उपयोग के बारे में जागरूक किया।

संपादकीय Editorial

Development to the Needs

Development is not just a plan; it is the continuum of sustained effort. Plans are made and broken in Himachal, but the accounts of development are true and meaningful only when the possibilities are addressed qualitatively, in line with the objectives. Consequently, the debate is now shifting between the three years of the Himachal government and the two years of the upcoming elections. In the House debate on the Himcare scheme, it doesn't matter how many crores the scam amounts to; instead, the decline in its sustainability will certainly be mentioned. Similarly, instead of discussing the difference in traffic from the new buses of the Transport Corporation in recent years, the discussion in the House is about the need for the issue. Himachal has been over-developed in its development, sometimes over-developed in its sustainability, sometimes under-developed in its sustainability. The need for development within the scope of new schools has not been recognized, resulting in the ongoing denotification of schools. According to a notification dated March 20th, 36 government schools with zero student enrollment in the state were denotified. A similar situation has also occurred with the increase in the number of colleges, medical colleges, and universities. The government is working tirelessly to expand facilities in medical colleges, but the basic foundation of medical care begins with dispensaries. This very need becomes the private sector's achievement. A medical college won't always be located near Himachali patients; instead, providing medical care requires promptness in dispensaries, civil, regional, and zonal hospitals. Private hospitals make their efforts so convincing that patients embrace this perception. Himachal needs to understand the importance of time and timeframe in development. For example, the tourist season is underway in Himachal, but where is the urgency to highlight this timing? During the House debates, every MLA focused on some kind of development, scheme, or project, but who pointed to development plans while riding the tourism bandwagon? Our current practice is a mess of development, whether it has any real substance or not. One government builds buildings, only to discover that thousands of these are useless, but they fail to build where they are needed. Efforts have been underway to build a bus stand in Dharamshala for a decade, but it remains unfinished. Here, we must commend the persistent efforts that ultimately result in an entire complex named after a deceased leader. Nearly ten crore rupees were spent on the proposal for the state's first tulip garden in Dharamshala, but to date, not a single flower has bloomed. The convention center has become a mere slur, so who will show mercy to those projects where development grows before development? If we hear from a BJP MLA, development is a tale of the past, and the ruling party MLAs will keep talking about how far they have come. We have excavated the Shimla-Dharamshala estate under the Smart City project. We don't have the time to consider whose reputation the use of iron in Shimla's decoration is piercing. The sewage flowing in the ducts of Dharamshala's smart road is a new incarnation. Surprisingly, trees have grown on buildings in some places, while in others, there are piles of soil. The contractor system has changed in the measurement of development. The danger with incomplete structures, piles of debris, and unpaid bills is that construction now becomes painful. Municipal corporations have increased, but the blueprint for urban needs has neither dreams nor the arrangements to fulfill them. The caravan has certainly grown, but the destination is unknown. We know that in the name of development, we can lift a few bricks, whether the need is met or not.

Bengal Assembly Elections 2026: Congress Can Open Its Account or Break Its Game

Congress has not nominated any non-political celebrities as its candidates. This time, it has relied on its old loyalists to regain lost political ground in the state. 49 years ago, in 1977, Congress was ousted from power in Bengal. In every subsequent assembly election, Congress's tally never reached three digits. When it was ousted from power, it had 20 seats. However, when it came to power, it won over 200 seats. Subsequent assembly elections saw 49 seats in 1982, 40 seats in 1987, 43 seats in 1991, 82 seats in 1996, 26 seats in 2001, 21 seats in 2006, 42 seats in 2011, 44 seats in 2016, and it failed to even open its account in 2021. It's worth noting that the figure of 50 was crossed only once in 1996. In the 2026 Assembly elections, the Congress is contesting 294 seats on its own. The entry of former Lok Sabha Leader of the Opposition Adhir Ranjan Chowdhury, Congress President Subhankar Sarkar, and former member of both Houses of Parliament Mausam Noor in the Congress candidate list has infused enthusiasm and energy among Congress workers and supporters. The Congress has also carefully selected its candidates. Adhir Ranjan Chowdhury has been given a ticket from his traditional stronghold of Baharampur, and will contest the Assembly elections after nearly 30 years. He last contested and won the Assembly elections from the Nabagram constituency in 1996.

Another prominent name is Mausam Noor, who recently returned from the Trinamool Congress. Mausam Noor has been fielded from the Malatipur seat to strengthen its hold in the Malda region. The Congress has not fielded any non-political celebrities. This time, it has relied on its old loyalists to regain lost political ground in the state. The Congress has fielded 68 Dalits and 64 Muslims among its candidates. Furthermore, 16 are from the Scheduled Tribes and 42 are women. The Congress has placed the greatest emphasis on Dalits and Muslims, which could pose a political tension for both Mamata Banerjee and the BJP. While the Congress has paid special attention to seats reserved for Scheduled Castes and Scheduled Tribes, in the Muslim-majority districts of Malda, Murshidabad, and North Dinajpur, the party has selected candidates based on its strong organizational structure, making it likely to lead to a triangular contest. Today, the Congress is searching for lost political ground. To understand why this situation has arisen, we need to look back a bit. Indeed, after 21 years of continuous defeats from 1977 to 1998, patience was bound to break. Mamata Banerjee was already feeling the most uncomfortable in Congress politics. Therefore, this year, Mamata Banerjee left the Congress and formed the Trinamool Congress. This was a significant blow to the Congress, and the Trinamool Congress gradually began to capture the Congress's traditional vote bank. Mamata Banerjee first usurped the role of opposition from the Congress and then came to power in 2011. With the Trinamool Congress's rise to power, the Congress in Bengal began to plummet. The BJP then completed the remaining work. The BJP rose from 3 seats to 77 and became the main opposition party against the TMC. As a result, the Congress lost both power and the opposition, falling to zero. The Congress's performance has been steadily declining since 1972. In 1972, the Congress won over 200 seats. However, after losing the 1977 post-Emergency elections, the Congress never recovered in Bengal. The truth is that the internal relationship between the Congress and the Left has always been a mystery. None of Indira Gandhi, Rajiv Gandhi, P.V. Narasimha Rao, Sitaram Kesri, Sonia Gandhi, Rahul Gandhi, Dr. Manmohan Singh, or Mallikarjun Kharge, as Congress National President or Prime Minister, attempted to unravel this mysterious relationship. The truth is that all national leaders, including Rahul Gandhi, have kept their distance from Bengal. Rahul Gandhi last visited Bengal in February 2024 as part of the Bharat Jodo Yatra. He didn't hold a single rally during the 2024 Lok Sabha elections, and the state Congress office is currently unaware of his campaigning for the 2026 Assembly elections. However, the key point is that this time, Congress has placed its biggest bet on Muslims, followed by Dalits and women. This raises the question: will Congress's strategy upset Mamata Banerjee or the BJP? We'll have to wait until May 4th to find out.

West Asia Crisis: President Donald Trump's Strategic Mistakes in the Iran War

The war has entered a phase where its trajectory cannot be easily controlled. Initial assumptions about quick results and limited escalation have led to a complex, multifaceted conflict. The ongoing Iran war highlights a series of strategic blunders that have significantly shaped the conflict's trajectory. President Donald Trump's approach appears to be based on assumptions that were inconsistent with ground realities. These miscalculations have compounded over time, leading to far-reaching consequences not only for the United States but also for the broader global system. Withdrawal from the Nuclear Deal - One of the earliest and most significant decisions was the withdrawal from the Joint Comprehensive Plan of Action (JCPOA). This agreement imposed strict monitoring and limits on Iran's nuclear program. The hope behind withdrawing from the agreement was that increased pressure would force Iran to renegotiate on more favorable terms. However, the result was the opposite. Iran expanded its nuclear capabilities, increased its enrichment levels, and accelerated its strategic programs. Instead of deterrence, this reversal further escalated tensions. Overreliance on punitive pressure—The second major mistake was the overreliance on economic sanctions, military threats, and public confrontation as the primary tools of strategy. Instead of weakening Iran, these measures further strengthened its perception of an existential threat. This led to accelerated military preparations, including the expansion of missile and drone capabilities. The strategy of maximum pressure resulted in maximum deterrence. Miscalculating the duration and nature of the war—Another major mistake was the assumption that this conflict would be short and decisive. The expectation of a rapid collapse under constant bombardment did not take into account Iran's strategic depth and preparedness. Iran adapted quickly, maintaining its military capabilities while shifting to decentralized operations. Instead, the conflict has spiraled into a protracted confrontation with no immediate solution in sight. Underestimating institutional resilience—The belief that targeting the leadership would destabilize the system proved wrong. Iran's governance structure includes multiple layers of succession and continuity planning. Instead of collapsing, this system has demonstrated resilience. External pressure has strengthened internal unity, making regime transition more difficult than anticipated. Failure to understand asymmetric warfare - Perhaps the biggest mistake has been underestimating asymmetric warfare. Iran has effectively used low-cost systems like drones and missiles to challenge technologically advanced adversaries. This has imposed sustained costs and operational stress, exposing the limitations of expensive defense systems when faced with persistent, low-cost attacks. Global economic and strategic repercussions - The consequences of these mistakes extend far beyond the battlefield. Disruption in the Strait of Hormuz has impacted global energy supplies. Fluctuations in oil prices are affecting economies worldwide. Supply chains are under pressure, affecting food, fuel, and fertilizer. Import-dependent countries, including India, face increased vulnerability. At the same time, some actors have also benefited. Energy-exporting countries have benefited from rising prices, while defense industries are seeing increased demand. An out-of-control conflict has entered a phase where its trajectory cannot be easily controlled. Initial assumptions about quick results and limited escalation have given way to a complex, multifaceted conflict. As history has often shown, wars evolve beyond the intentions of those who initiated them. President Donald Trump's handling of the Iran situation reflects a broader pattern of strategic misunderstanding—about Iran's resilience, its ability to adapt, and the dynamics of modern warfare. These blunders have not only prolonged the conflict but also exacerbated its global consequences. The lesson is clear: in an interconnected and rapidly evolving world, strategy must be based on realism, adaptability, and a deep understanding of the opponent. Failure to do so can turn even well-considered decisions into a series of crises.

रात में शारीरिक संबंध बनाते समय पत्नी का कत्ल, कमरे में नग्न लाश छोड़ भाग गया पति;एकता हत्याकांड की कहानी

रामपुर में महिला शिक्षिका की हत्या में बड़ा खुलासा हुआ है। पति ने शारीरिक संबंध के दौरान पत्नी का गला दबा दिया। मौत के बाद आरोपी पत्नी का शव निर्वस्त्र हाल में बिस्तर पर छोड़कर फरार हो गया। बताया जा रहा है कि आरोपी नशे का आदी है। वह नशा मुक्ति केंद्र जा चुका है।यूपी के रामपुर के सिविल लाइंस कोतवाली इलाके के शिव विहार कॉलोनी में किराये के मकान में रहने वाली परिषदीय स्कूल में तैनात शिक्षिका की मौत मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। शिक्षिका की मुंह दबाकर पति ने हत्या की थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दम घुटने से मौत की पुष्टि हुई है। पुलिस ने मृतका के पिता राजेंद्र सिंह की तहरीर पर दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज की है। आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट के आदेश पर जेल भेज दिया है।हत्या की यह वारदात शनिवार रात सिविल लाइंस की शिव विहार कॉलोनी की है। मेरठ जिले के मवाना तहसील के ग्राम खटीना निवासी राहुल की मुजफ्फरनगर के खतौली थाना क्षेत्र के भैंसी गांव निवासी पत्नी एकता उर्फ पूजा चमरौवा ब्लॉक के ठाकुरद्वारा स्थित परिषदीय स्कूल में शिक्षिका के पद पर तैनात थीं।करीब दो साल से वह अपने पति व बच्चे के साथ शिव विहार कॉलोनी में सुभाष कुमार के मकान में किराये पर रहती थीं। कॉलोनी के लोगों के अनुसार, सोमवार की सुबह दूध वाला आया और उसने कई आवाजें दी लेकिन अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई। जिस पर दूध वाले ने मकान मालिक को मामले की जानकारी दी।निर्वस्त्र हालत में पड़ा था एकता का शव-एकता का शव निर्वस्त्र हालत में पड़ा था। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की पुष्टि मुंह दबाकर दम घुटने से हुई थी। एएसपी अनुराग सिंह ने बताया कि शनिवार को राहुल रामपुर आया था।उसकी पत्नी और बेटा घर में ही थे। इसके बाद उन्होंने शॉपिंग की। देर रात पत्नी से शारीरिक संबंध बनाए। इसी दौरान उसकी बहस हुई और उसने मुंह दबाकर पत्नी की हत्या कर दी।कहा कि पूछताछ में राहुल ने मुंह दबाकर हत्या की बात कबूली भी है। बताया कि मृतका के पिता की तहरीर पर पुलिस ने दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज की है। कहा कि आरोपी को जेल भेज दिया गया है।नशे का आदी है राहुल, तीन बार जा चुका नशा मुक्ति केंद्र एएसपी अनुराग सिंह ने बताया कि जांच में सामने आया है कि राहुल नशे का आदि है। वह पूर्व में भी नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती हो चुका है। सोमवार को हत्या के बाद वह मेरठ में नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती हुआ।अपर पुलिस अधीक्षक अनुराग सिंह के अनुसार पूछताछ में उसके पति राहुल ने गला घोंटकर हत्या की बात स्वीकार की है। सूचना मिलने पर मौके पर आए राहुल के पिता नारायण सिंह का कहना है कि राहुल इस वक्त मेरठ के एक नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती था।पिता ने बताया कि वह पांच दिनों पहले रामपुर आए थे। समय-समय पर वह सामान देने के लिए यहां पर आते रहते हैं। राहुल नशे का आदी है। उसे पहले भी दो बार नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती किया जा चुका था।` बेटे आदि को लेकर मेरठ आया और अपने छोटे भाई को सूचना दी थीपुलिस ने कमरा किया सील

घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच की, फिर फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद किराये वाले कमरे को सील कर दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पिकअप लूट के बाद बाप-बेटे का कत्ल, जंगल में फेंक दी दोनों की लाश; कातिलों ने ये बात कहकर बुक कराई थी गाड़ी

यूपी के शामली से सनसनीखेज खबर सामने आई है। संभल जिले के बाप-बेटे की पिकअप लूट के बाद बदमाशों ने कत्ल कर दिया। आरोपियों ने दोनों की लाश जंगल में फेंक दी। आरोपी पिकअप गाड़ी बुक कराकर ले गए थे। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उसकी निशानदेही पर इलाके के गांव मलुआ के घेर भिरावटी निवासी पिकअप के शव शामली के गांव का बड़ौत के जंगल में मिले हैं। शव बरामद किए गए हैं।संभल के धनारी थाना निशानदेही पर पहुंची है। एक आरोपी पुलिस ने हिरासत में चालक नरेश (40) व उनके बेटे भीमसैन (22) स्वीकार की लेकिन वह यह नहीं बता पा रहा था कि शव इन शवों तक संभल पुलिस एक आरोपी की देर रात ही पिता-पुत्र की हत्या कर दी थी। यह वारदात लिया था। उसने हत्या कर शव फेंकने की बात तो इसकी पुष्टि अभी तक संभल पुलिस ने नहीं की है। मौत फेंके कहां हैं। सूत्रों का कहना है कि दो अप्रैल की की पत्नी गीता ने बताया कि उनके पति खेती किसानी के पिकअप गाड़ी लूटने के इरादे से की गई है। हालांकि रिश्तेदार की भैंस लेकर कैलादेवी थाना इलाके के गांव का कारण भी पोस्टमार्टम के बाद ही स्पष्ट होगा।नरेश जिन्होंने मेरठ से मजदूर लाने की बात कहते हुए पिकअप साथ पिकअप गाड़ी चलाते थे। दो अप्रैल को थे वह बिकी नहीं तो उसको छोड़ने के लिए पहले गांव अमरावती गए थे। वहां दो अज्ञात लोग मिले थे कॉल कर सौंधन बुलाया था। इसके बाद सौंधन पहुंचे और बुक की थी। इस दौरान जिस भैंस को लेकर गए गीता ने बताया कि दो अप्रैल की रात 10 बजे तक कॉल आए थे। इसके बाद दोबारा गए थे। आरोपियों ने हुआ।मेरठ के रास्ते में टोल प्लाजा तक दिखी पिकअप-आरोपियों के साथ मेरठ के लिए रवाना हो गए थे। परिजनों ने बताया कि 3 अप्रैल को गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। इसके बाद पुलिस ने छानबीन की तो मेरठ के रास्ते में पड़ने वाले एक टोल प्लाजा पर पिकअप गाड़ी गुजरती हुई दिखाई दी। इस टोल पर बात हुई थी लेकिन उसके बाद संपर्क नहीं प्लाजा से आगे किसी कैमरे में गाड़ी नहीं आई। परिजनों का कहना है कि रास्ते में किसी संपर्क मार्ग से आरोपी गाड़ी ले गए और शामली में घटना को अंजाम दे दिया।कॉल डिटेल्स से मिली पुलिस को मदद, रहस्यमयी ढंग से वारदात अंजाम देना चाहते थे आरोपी-नरेश की पिकअप बुक करने वाले आरोपी दो थे। वह मिले तो अमरावती गांव में थे लेकिन बाद में सौंधन आने के लिए नरेश को कॉल कर कहा था। यही महत्वपूर्ण सुराग पुलिस को मिला था। इसके आधार पर ही एक आरोपी को हिरासत में लिया और छानबीन की। सूत्रों का कहना है कि शुरुआती जांच में आरोपी ने गुमराह करने का प्रयास किया लेकिन सख्ती से पूछताछ करने पर वह टूट गया और उसने बताया कि वारदात रात के अंधेरे में अंजाम दी थी। इसलिए सही जगह नहीं पता कि शव कहां पड़े हैं। मंगलवार को जब शव तक पुलिस पहुंची तो वह खराब हो चुके थे। पुलिस की प्राथमिक जांच पड़ताल की सभी निशानी से शव पिता-पुत्र के होने की पुष्टि हो गई है। परिजनों के द्वारा पुष्टि की जानी बाकी है। शामली के एएसपी सुमित शुक्ला ने पिता-पुत्र के ही शव होने की पुष्टि की है। साथ ही निशानदेही पर शव बरामद किए हैं। इसकी जानकारी दी है। पिकअप लूट के बाद की गई हत्या-पुलिस के पिकअप का अभी तक कोई सुराग नहीं लग सका है। पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया है कि पिकअप लूटने के बाद ही हत्या की। हालांकि पुलिस अन्य संभावित कारणों को लेकर भी जांच कर रही है। पुलिस ने प्रारंभिक जांच में गला दबाकर हत्या किए जाने की आशंका जताई है। एएसपी के अनुसार संभल पुलिस की पूछताछ के बाद ही हत्या के सही कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा।

सीआरपीएफ कैंप में बिना अनुमति घुसे दो युवक पकड़े, सुरक्षा एजेंसियां सतर्क, 2007 में हो चुका आतंकी हमला

रामपुर के सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर में बिना अनुमति दो संदिग्ध युवक घुस गए । दोनो को सुरक्षा कर्मियों ने पकड़कर पुलिस को सौंप दिया है। इस सेंटर में पहले आतंकी हमला हो चुका हैसीआरपीएफ ग्रुप सेंटर में बिना अनुमति प्रवेश करने का मामला सामने आने से सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। कैंप के मुख्य गेट पर तैनात सुरक्षा कर्मियों ने दो संदिग्ध युवकों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने दोनों से पूछताछ के बाद उनका चालान कर दिया है।सीआरपीएफ में तैनात उप कमांडेंट सौरव राजपूत की तहरीर के अनुसार, दोनों युवक बाइक से कैंप परिसर में प्रवेश कर गए थे। ड्यूटी पर तैनात गार्ड ने उन्हें संदिग्ध रूप से घूमते देखा और रोककर पूछताछ की। शुरुआत में दोनों संतोषजनक जवाब नहीं दे सके और गुमराह करने का प्रयास किया।सख्ती से पूछताछ करने पर एक ने अपना नाम नईम निवासी ग्राम पटवाई और दूसरे ने भूरा निवासी ग्राम घोसीपुरा बताया। घटना को गंभीर मानते हुए सीआरपीएफ प्रशासन ने सिविल लाइंस थाना पुलिस को तहरीर दी। इसके आधार पर दोनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। घटना के बाद कैंप की सुरक्षा और सख्त कर दी गई है। सिविल लाइंस इंस्पेक्टर ओमकार सिंह ने बताया कि दोनों से पूछताछ की गई है और उनका चालान कर दिया गया है। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। मोबाइल और पहचान की जांच जारी- पुलिस दोनों संदिग्धों के मोबाइल फोन, पहचान पत्र और आपसी संपर्कों की जांच कर रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि कैंप में प्रवेश का उद्देश्य क्या था और उनका किसी संदिग्ध गतिविधि से संबंध तो नहीं है।पहले भी हो चुका है हमला 31 दिसंबर 2007 की रात सीआरपीएफ समूह केंद्र पर आतंकियों ने हमला किया था। एके-47 और हथगोले से लैस हमलावरों ने शिविर के फाटक संख्या तीन में घुसकर फायरिंग की थी। इसमें सीआरपीएफ के सात जवान शहीद हुए थे। एक रिक्शा चालक की मौत भी हुई थी। तब से कैंप की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

संक्षिप्त समाचार

मुरादाबाद में आंधी-तूफान: पेड़ और खंभे गिरे, ई रिक्शा-कारें क्षतिग्रस्त, यातायात और बिजली व्यवस्था प्रभावित।

मुरादाबाद में आंधी के बीच कई पेड़ गिर गए। इससे बिजली के पोल टूटकर वाहनों पर गिर गए। बारिश के चलते तापमान गिर गया है।

मुरादाबाद में आए अचानक आंधी-तूफान और बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। तेज हवाओं के चलते मानसरोवर और शास्त्री नगर कॉलोनी में कई पेड़ गिर गए। इनकी चपेट में आकर कुछ कारें और बैटरी रिक्शा दब गईं।आंधी के चलते शहर के कई प्रमुख मार्गों पर यातायात प्रभावित हो गया। कई इलाकों में बिजली गुल होने से लोगों को परेशानी झेलनी पड़ी। हालांकि, मौसम में आए इस बदलाव से तापमान में गिरावट दर्ज की गई। इससे गर्मी से लोगों को थोड़ी राहत जरूर मिली। प्रशासन और संबंधित विभागों की टीमें हालात को सामान्य करने में जुटी हैं।आंधी तूफान की तीव्रता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि एक बिजली के खंभे भी टूट गए। इससे इलाके की विद्युत व्यवस्था बाधित हो गई। वहीं, दिल्ली रोड पर बारिश के बीच राहगीरों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

परियोजनाओं की धीमी प्रगति जिले की रैंक पर डाल रही असर

जिले में महत्वाकांक्षी परियोजनाओं के निर्माण कार्य की धीमी प्रगति जिले की रैंक पर असर डाल रही है। गुरु जम्भेश्वर राज्य विश्वविद्यालय सहित कई अन्य महत्वपूर्ण निर्माण परियोजनाओं में सुस्ती शासन में किरकिरी करा रही है। पिछले महीने जिले के प्रभारी मंत्री अनिल कुमार ने सर्किट हाउस में समीक्षा बैठक में निर्माण कार्यों की धीमी प्रगति पर नाराजगी भी जताई थी। उन्होंने गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के निर्माण कार्यों को हर हाल में जल्द पूरा करने का निर्देश कार्यदायी संस्था व संबंधित अधिकारियों को दिया था।वहीं विभागीय बैठको में भी कार्यदायीं संस्थाओं की कार्यप्रणाली अधिकारियों के नाराजगी का कारण बनती है। सोमवार 6 अप्रैल को निर्माण कार्यो की प्रगति की समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने भी असंतुष्टि जताई थी। उन्होंने यूपीसीएलडीएफ द्वारा राजकीय प्रक्षेत्र रौण्डा के सुदृढ़ीकरण कार्य, राजकीय प्रक्षेत्र पंडितपुर के सुदृढ़ीकरण कार्य, राजकीय पौधशाला फहेलउल्लागंज के सुदृढ़ीकरण कार्य की प्रगति धीमी होने पर भी इसमें तेजी लाने का निर्देश दिया था। इसके अलावा ग्रामीण अभियंत्रण द्वारा बनवाए जा रहे कस्तूरबा बालिका ठाकुरद्वारा में एकेडमिक ब्लाक एवं छात्रावास भवन निर्माण कार्य, उ.प्र. राजकीय निर्माण निगम द्वारा बिलारी में ग्रामीण स्टेडियम एवं ओपन जिम निर्माण कार्यों में भी सुस्ती सामने आई थी। वहीं कई अन्य परियोजना जैसे गन्ना किसान संस्थान प्रशिक्षण केन्द्र के प्रशासनिक भवन, छात्रावास भवन एवं अन्य भवन निर्माण, उ.प्र. जल निगम नगरीय द्वारा मुरादाबाद में वाटर सप्लाई स्कीम, यूपी सिडको द्वारा जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान को सेंटर आफ एक्सीलेंस विकसित करने संबंधी कार्य, लोक निर्माण विभाग (भवन खण्ड) द्वारा मुरादाबाद में उ.प्र. राज्य विश्वविद्यालय के भवन निर्माण कार्य की भैतिक प्रगति कम होने पर जिलाधिकारी नाराजगी जता चुके हैं।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

विकासखंड मझगवां में महिला जनकल्याण योजनाओं का हुआ कार्यक्रम, 34 समस्याओं का मौके पर निस्तारण

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। विकास खण्ड मझगवां में बुधवार पूर्वाह्न 11=00 बजे महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ आम जनमानस तक पहुंचाने के उद्देश्य से एक विशेष कैंप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन ब्लॉक प्रमुख यशवंत सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।इस कैंप में पति की मृत्यु उपरांत निराश्रित महिला पेंशन योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना एवं मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (कोविड/सामान्य) सहित अन्य योजनाओं की जानकारी एवं लाभ दिलाने हेतु विभागीय अधिकारियों ने उपस्थित जनसमूह की समस्याएं सुनीं।कार्यक्रम में खण्ड विकास अधिकारी सुनील वर्मा, एडीओ समाज कल्याण सुश्री शिवानी, महिला कल्याण विभाग से जिला मिशन कोऑर्डिनेटर श्रीमती रिंकी, जेंडर स्पेशलिस्ट श्रीमती हरिन्दर कौर एवं श्रीमती शाहरीन, केस वर्कर विमल सिरोही तथा कम्प्यूटर सहायक हिमांशु सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।कैंप के दौरान कुल 55 लाभार्थी निराश्रित महिला पेंशन योजना से संबंधित समस्याएं लेकर पहुंचे। इनमें से 34 मामलों का मौके पर ही त्वरित निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष 21 लाभार्थियों के प्रपत्र आगे की कार्रवाई के लिए जमा कर लिए गए। अधिकारियों ने द्वारा बताया गया कि इस प्रकार के कैंपों के माध्यम से सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक शीघ्रता से पहुंचाया जा रहा है।

महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में , तीन दिवसीय मैनेजमेंट फेस्ट का हुआ भव्य शुभारम्भ

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में बीबीए विभाग द्वारा तीन दिवसीय मैनेजमेंट फेस्ट का आयोजन 7 अप्रैल से 9 अप्रैल 2026 तक किया जा रहा है। फेस्ट का शुभारम्भ 7 अप्रैल को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सौरभ अग्रवाल, विभागाध्यक्षा एवं कार्यक्रम समन्वयक निशा परवीन, सह-समन्वयक शोभित अग्रवाल, मयंक शर्मा एवं रितु सिंह द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। कार्यक्रम के प्रथम दिवस पर बिजनेस क्विज, रील मेकिंग प्रतियोगिता, हैंड पेंटिंग, नेल आर्ट एवं बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट जैसी विभिन्न रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।फेस्ट के द्वितीय दिवस (08 अप्रैल 2026) पर विद्यार्थियों में उद्यमिता की भावना को विकसित करने हेतु महाविद्यालय परिसर में स्टॉल लगाए गए। विभिन्न विभागों के छात्र-छात्राओं ने खान-पान एवं दैनिक उपयोग की वस्तुओं के स्टॉल लगाकर अपनी प्रतिभा और कौशल का प्रदर्शन किया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि अमिता अग्रवाल (अध्यक्षा, एक उम्मीद संस्था) एवं विशिष्ट अतिथि सुषमा अग्रवाल उपस्थित रहीं। उन्होंने स्टॉलों का अवलोकन कर छात्रों को प्रोत्साहित किया तथा आवश्यक तकनीकी एवं व्यावहारिक सुझाव भी दिए। महाराजा अग्रसेन शिक्षा समिति के महामंत्री शशि भूषण अग्रवाल (राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित) एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सौरभ अग्रवाल ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों के आत्मविश्वास एवं कौशल विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में चीफ प्रॉक्टर डॉ. बिपुल मेहरोत्रा, डॉ. नीतू शर्मा, डॉ. सोनल अग्रवाल, डॉ. रेशू जौहरी, डॉ. ए.के. शर्मा, प्रथमेश कुमार, डॉ. आरती बंसल, डॉ. सुनित अग्रवाल, डॉ. नाजो बी, डॉ. पूजा अग्रवाल, डॉ. राजपाल वर्मा, डॉ. गुंजन अग्रवाल, अजीत सिंह, संचित कक्कड़, धीरज अग्रवाल, प्रफुल्ल पाठक एवं चन्द्र प्रकाश सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

रंगमंच बना लोकतंत्र की आवाज: रंग कर्म गौरव सम्मान 2026 ने जगाई जागरूकता की अलख

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। यूथ वेलफेयर सोसायटी द्वारा आयोजित रंग कर्म गौरव सम्मान 2026 कार्यक्रम ने कला और लोकतंत्र के अद्भुत संगम का सजीव उदाहरण प्रस्तुत किया। सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत एवं नगर निगम) सतीश कुमार मौर्य ने इस आयोजन की जमकर सराहना करते हुए इसे जन-जागरूकता का सशक्त मंच बताया। उन्होंने कहा कि रंगमंच केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा को जन-जन तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम है। चुनाव आयोग का उद्देश्य सिर्फ मतदान कराना नहीं, बल्कि जागरूक, जिम्मेदार मतदाता तैयार करना भी है। ऐसे में रंगमंच गांव-गांव और मोहल्लों तक पहुंचकर वोट की ताकत, संवैधानिक मूल्यों और सामाजिक सद्भाव का संदेश बेहद प्रभावी ढंग से फैला सकता है।उन्होंने विशेष रूप से कहा कि नाटकों के माध्यम से युवाओं को बिना बोझ और पूरे आनंद के साथ चुनावी जागरूकता देना एक अनूठी पहल है।संस्था के अध्यक्ष गोविंद सैनी ने कहा कि रंगमंच समाज का दर्पण है, जो न केवल वास्तविकता को दिखाता है बल्कि समाज को नई दिशा भी देता है। यह कला का ऐसा माध्यम है जो शिक्षा, संस्कृति और सामाजिक चेतना को एक साथ जोड़कर लोगों के मन-मस्तिष्क पर गहरी छाप छोड़ता है।कार्यक्रम में संस्था के संरक्षक उमेश प्रजापति, संयोजक एवं मीडिया प्रभारी पवन कालरा तथा ओमपाल प्रजापति की गरिमामयी उपस्थिति रही।

IGRS में बरेली परिक्षेत्र का डंका, पूरे प्रदेश में नंबर - 1

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। पुलिस उपमहानिरीक्षक परिक्षेत्र, अजय कुमार साहनी के कुशल निर्देशन में बरेली परिक्षेत्र ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। शासन द्वारा संचालित जनसुनवाई समाधान प्रणाली (इूलक्र्स) के तहत प्राप्त जन शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण में माह मार्च-2026 की प्रदेश स्तरीय रैंकिंग में बरेली परिक्षेत्र ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि में परिक्षेत्र के चारों जनपद-बरेली, बदायूँ, शाहजहाँपुर और पीलीभीत-का संयुक्त योगदान रहा। इन जिलों के कुल 84 थानों ने मिलकर जन शिकायतों के प्रभावी निस्तारण में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिससे पूरे प्रदेश में परिक्षेत्र को शीर्ष स्थान मिला।जनपद बरेली के 28, बदायूँ के 20, पीलीभीत के 17 तथा शाहजहाँपुर के 19 थानों ने बेहतर कार्यशैली, त्वरित कार्रवाई और जनहित के प्रति समर्पण का परिचय दिया।इस सराहनीय उपलब्धि के लिए परिक्षेत्र कार्यालय में कार्यरत आईजीआरएस टीम-उपनिरीक्षक शालू, कम्प्यूटर ऑपरेटर अमरेन्द्र कुमार और आरक्षी सलिल सक्सेना-को नगद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।वहीं, जिन थानों का प्रदर्शन अपेक्षाकृत कमजोर रहा है, उनके कार्यों की समीक्षा कर सुधार के निर्देश भी दिए जाएंगे।

डीएम ने PNG कनेक्शन जागरूकता अभियान को दिखाई हरी झंडी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने बुधवार को कलेक्ट्रेट परिसर से पीएनजी गैस कनेक्शन के प्रति आम जनमानस को जागरूक करने हेतु प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह अभियान सीयूजीएल कंपनी द्वारा संचालित किया जा रहा है। इन प्रचार वाहनों के माध्यम से पूरे जनपद बरेली में भ्रमण कर लोगों को पीएनजी कनेक्शन के लाभ, इसकी उपयोगिता तथा आवेदन प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाएगी। साथ ही बिलिंग से जुड़ी प्रक्रियाओं को भी सरल तरीके से समझाया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग इस सुविधा से जुड़ सकें।कार्यक्रम के दौरान सीयूजीएल बरेली के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में जनपद में 60,788 पीएनजी कनेक्शन सक्रिय हैं। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि नए कनेक्शन के लिए ?5000 शुल्क निर्धारित है, जिसमें ऑयल कंपनी द्वारा ?2000 की विशेष छूट दी जा रही है। इसके अलावा प्रथम बिल पर ?500 की अतिरिक्त छूट भी प्रदान की जा रही है। जिलाधिकारी की मंशा के अनुरूप, बरेली के कुछ क्षेत्रों को पूर्ण रूप से पीएनजी युक्त बनाते हुए एलपीजी फ्री जोन घोषित करने की योजना पर भी कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में एडीएम कंपाउंड, डीएम कंपाउंड, जज कॉलोनी एवं पीडब्ल्यूडी कॉलोनी को पीएनजी पाइपलाइन से जोड़ने की पहल की जाएगी।

सुबह रिमझिम दोपहर को मूसलाधार बारिश सड़को में भरा पानी, फसलों को भारी नुकसान की संभावना

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। बुधवार को सुबह से छाए बादल और हल्की बूंदाबांदी हुई, वहीं दोपहर में जमकर बरसात हुई। करीब 30 मिनट तक मूसलाधार बारिश होती रही। जिससे सड़को पर पानी भर गया। जिसके चलते जनजीवन अस्त व्यस्त सा हो गया। इसी दौरान स्कूलों की छुट्टी हुई जिससे छोटे बच्चों को अपने घर पहुंचने में परेशानियों का सामना करना पड़ा। वही ग्रामीण क्षेत्रों में गेहूं की फसल को भारी नुकसान होने से किसानों चिंता बढ़ गई। करीब 30 मिनट तक बारिश होती रही, जिससे शहर के नाले उफना गए और निचले इलाकों में जलभराव हो गया। बरेली के हाजियापुर में जलभराव के बीच एक मृत व्यक्ति का जनाजा निकाला गया। उधर, खेतों में पानी भरने से फसलों को भारी नुकसान होने की संभावना है। किसानों का कहना है कि बेमौसम बारिश से फसलों को नुकसान हुआ है। गेहूं और सरसों की कटाई हो रही है। कई इलाकों में गेहूं की फसल खेतों में कटी पड़ी है। बारिश होने से दाना काला पड़ने और फसल को नुकसान खतरा बढ़ गया है। यदि मौसम जल्द साफ नहीं हुआ तो उत्पादन पर असर पड़ सकता है।

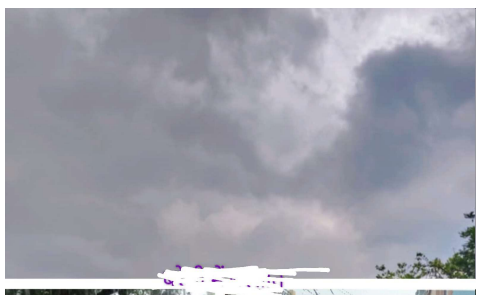

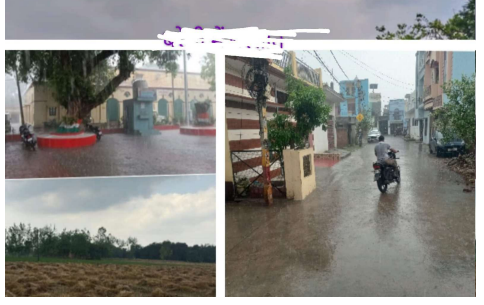

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

सड़क दुर्घटना में बुजुर्ग की मौत,सीमा विवाद में उलझी दो थानों की पुलिस

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। सीबीगंज का परसाखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक कार शोरूम के गोदाम में ड्यूटी कर वापस साईकिल से घर लौट रहे एक बुजुर्ग को झुमका तिराह पर पिकअप ने कुचल दिया और पलट कर सामने रोड क्रॉसिंग कर रहे ट्रक में जा टकराई। घटना में साइकिल सवार की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को जिला अस्पताल भेज दिया। अब शव का पोस्टमार्टम कराने के लिए दो थानों की पुलिस सीमा विवाद को लेकर आपस में उलझी थी। घटना बुधवार सुबह करीब छः बजे झुमका तिराहा की है। फतेहगंज पश्चिमी के गांव धनतिया निवासी चंद्रपाल गंगवार (70) परसाखेड़ा में एक गोदाम में ड्यूटी कर साइकिल से वापस अपने घर लौट रहे थे। वह झुमका तिराह पार कर रहे थे इसी दौरान बिलवा की तरफ से फतेहगंज पश्चिमी की तरफ तेज गति से जा रही मुर्गियों से भरी एक पिकअप ने उन्हें कुचल दिया। बाद में पिकअप भी फतेहगंज पश्चिमी की ओर से आ रहे एक ट्रक टकराकर पलट गई। घटना में चंद्रपाल की मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने पिकअप को अपने कब्जे में ले लिया। पिकअप के पलटने से उसमें भरी काफी संख्या में मुर्गियों की भी मौत हो गई। परसाखेड़ा चौकी पुलिस ने मृतक के शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में भिजवा दिया। अब परसाखेड़ा चौकी पुलिस व फतेहगंज पश्चिमी पुलिस घटना स्थल एक दूसरे के क्षेत्र में होना बता रही है। मृतक के परिवार में एक पुत्र हरेंद्र गंगवार, पुत्री सोनिया व पत्नी सावित्री देवी है। बेटा विवाहित व बेटी अविवाहित है घटना के बाद परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

गागन पर नया पुल तैयार होने पर फर्राटा भरेंगे वाहन, 18.44 करोड़ होंगे खर्च

गागन नदी पर 18.44 करोड़ रुपये की लागत से पूर्व में निर्मित क्षतिग्रस्त सेतु के स्थान पर नया पुल बन रहा है। इसके बन कर तैयार होने के बाद वाहन फर्राटा भर सकेंगे। उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम इसकी कार्यदायी संस्था है।

जिले में कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का निर्माण कार्य चल रहा है। इसके पूरा होने पर जिले के विकास को और गति मिलेगी। जिलाधिकारी अनुज सिंह ने परियोजनाओं के कार्यों में शिथिलता पर नाराजगी भी जताई है।गागन नदी पर पूर्व में निर्मित पुल के समानांतर निर्मित क्षतिग्रस्त पुल के स्थान पर नया सेतु, पहुंच मार्ग एवं अन्य सुरक्षात्मक कार्य कराए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम के प्रोजेक्ट मैनेजर ने बताया कि गागन नदी पर 18.44 करोड़ रुपये की लागत से नया पुल बन रहा है। जो 31 दिसंबर 2027 तक पूरा हो जाएगा। इसकी धीमी प्रगति पर उनका कहना है कि निर्धारित समय सीमा में इसका कार्य पूरा कराया जाएगा। वर्तमान में कार्य की भौतिक प्रगति 38 प्रतिशत है। इस कार्य को गति देने के लिए जिलाधिकारी के निर्देश पर मैनपावर भी बढ़ाया जा रहा है।अन्य परियोजनाएं भी जिले के विकास में अहम-वहीं डॉ भीमराव अंबेडकर पुलिस अकादमी की क्षमता दोगुना करने में अनावासीय भवन का निर्माण कार्य भी गतिमान है। जो 31 मई तक पूरा किया जाना है। इसकी भौतिक प्रगति 71 प्रतिशत है। इसके अलावा नवीन थाना सोनकपुर में अनावासीय भवनों का निर्माण भी कराया जा रहा है। ग्राम पंचायत रतनपुर कला में ग्रामीण स्टेडियम एवं ओपन जिम निर्माण, गन्ना किसान संस्थान प्रशिक्षण केंद्र मुरादाबाद में प्रशासनिक, भवन छात्रावास, आवासीय भवन का निर्माण कार्य, थाना बिलारी में प्रशासनिक भवन के साथ ही मुख्यमंत्री अभ्युदय कंपोजिट विद्यालय आदि बनकर तैयार होने पर जिले में विकास का पहिया और तेजी से घूमेगा।

साइबर फ्रॉड का खतरा टीचर ने समझाया, मासूम तन्मय ने परिवार बचाया

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। थाना प्रेमनगर क्षेत्र में लाखों के साइबर फ्रॉड के परिवार को बचाने वाला कक्षा आठ का छात्र तन्मय पूरे समाज की नजरों में हीरो बन गया है।

तन्मय ने खतरा भांपकर प्रयास न किए होते तो मम्मी-पापा के बैंक खाते में जमा लाखों की रकम लुट जाती। यह होनहार बच्चा रामपुर गार्डन स्थित शांति इंटर कॉलेज में पढ़ता है। कॉलेज के शिक्षकों ने पढ़ाई के साथ क्लास में साइबर खतरों के बारे में सिखाया था, जो उसके काम आया और अनहोनी टल गई।बरेली शहर देहात में साइबर ठगी की तमाम घटनाएं हो चुकी हैं। अज्ञात अपराधी तरह-तरह से वीडियो और वॉइस कॉल या चेटिंग कर लोगों को शिकार बनाते हैं। साइबर क्रिमनिल कभी खुद को सीबीआई अफसर बताकर धमकाते हैं तो कभी एटीएस व पुलिस बनकर। कितने ही लोगों को आतंकित कर उनके बैंक खाते खाले किए जा रहे हैं। सरकार और रिजर्व बैंक लोगों को इस तरह के फ्रॉड से बचने की अपीलें कर रहे हैं। लोगों को बार-बार सचेत किया जा रहा है कि अपने बैंक अकाउंट, एटीएम पिन की जानकारी किसी के साथ भी साझा न करें,

लेकिन इसके बाद भी लोग ठगों के जंजाल में फंसकर लुट रहे हैं।सुरखा बानखाना मोहल्ले में रहने वालीं टीचर राशी सक्सेना के नाम से पुणे कोर्ट का फर्जी वारंट भेजकर और उनका आतंकियों से कनेक्शन बताकर ठगों ने शिकार बनाने की कोशिश की भरसक कोशिश की थी। दहशत में टीचर व उनके पति बैंक अकाउंट की डिटेल भी अपराधियों को दे चुके थे, लेकिन साइबर अपराधियों के बारे में जानकारी रखने वाले उनके बेटे तन्मय ने पूरा षडयंत्र नाकाम कर दिया। तन्मय ने पिता और पड़ोसियों को सचेत कर पुलिस न बुलवाई होती तो परिवार की खून-पसीने की कमाई के बैंक में जमा लाखों रुपये लुट जाते।

जनगणना 2027 को लेकर तैयारी तेज, राज्य स्तरीय प्रशिक्षण बैठक आयोजित, बरेली के अधिकारियों ने की सहभागिता

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। भारत की आगामी जनगणना 2027 को लेकर उत्तर प्रदेश में तैयारियां तेज कर दी गई हैं।

इसी क्रम में मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय प्रशिक्षण सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न जिलों के अधिकारियों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण बैठक का मुख्य उद्देश्य जनगणना के प्रथम चरण–मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना–को प्रभावी और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने की रणनीति तय करना रहा। बैठक में बरेली मंडल से मंडलायुक्त, जिलाधिकारी बरेली, मुख्य विकास अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारियों ने सहभागिता की। बैठक के दौरान अधिकारियों को जनगणना प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत दिशा–निर्देश दिए गए। इसमें डेटा संग्रहण, फील्ड वर्क की योजना, संसाधनों का समुचित उपयोग और समयबद्ध कार्यान्वयन जैसे बिंदुओं पर विशेष जोर दिया गया। मुख्य सचिव ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनगणना कार्य में पारदर्शिता और सटीकता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके लिए सभी संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने और तय समयसीमा के भीतर सभी तैयारियां पूर्ण करने पर बल दिया गया। बैठक के उपरांत बरेली में उपस्थित अधिकारियों को भी निर्देशित किया गया कि वे प्राप्त दिशा–निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें। साथ ही, जनगणना कार्य को सफल बनाने के लिए आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता और फील्ड स्तर पर तैयारियों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। प्रशासन का मानना है कि समयबद्ध और सुव्यवस्थित तैयारी के माध्यम से जनगणना 2027 के इस महत्वपूर्ण चरण को बिना किसी बाधा के संपन्न कराया जा सकेगा, जिससे सटीक आंकड़ों के आधार पर भविष्य की नीतियों और योजनाओं को दिशा मिल सकेगी।

नशे में बवाल कर रहा था पति, पत्नी ने सिर पर मारा चैला, तड़प–तड़पकर तोड़ा दम; पुलिस ने पकड़ा

शराब के नशे में विवाद के दौरान पत्नी ने पति के सिर पर लकड़ी से वार कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। लंबे समय से घरेलू झगड़े होते थे। घटना के बाद पुलिस ने महिला को हिरासत में लिया। इस बच्चे सदमे में हैं। मसौली के कुरथरा कर रहे युवक के सिर पर पत्नी ने चूल्हे मारा। गहरी चोट लगने से युवक की महिला को हिरासत में ले लिया है। हत्या का मामला दर्ज किया गया त्रिलोकपुर चौकी क्षेत्र के कुरथरा गांव का इकलौता पुत्र मोहित (32) अपनी के साथ रहता था। करीब 15 वर्ष पहले

दोनों की शादी हुई थी। उनके 14 वर्षीय पुत्र अभय उर्फ गोलू और 10 वर्षीय पुत्री मिष्ठी हैं। पिछले कई साल से मोहित को शराब पीने की लत थी और वह अक्सर घर आकर विवाद करता था।बुधवार सुबह करीब 11 बजे वह शराब पीकर घर पहुंचा और पत्नी से झगड़ा करने लगा। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और मोहित ने घर में तोड़फोड़ शुरू कर दी। इसी दौरान दोनों के बीच मारपीट होने लगी। मोहल्ले के लोग चीख पुकार सुनने के बाद इसे रोज का झगड़ा समझ बीच बचाव में नहीं गए। इस दौरान शिल्पी ने चूल्हे में इस्तेमाल होने वाली भारी लकड़ी उठाकर मोहित के सिर पर वार कर दिया।कनपटी पर गंभीर चोट लगने से मोहित गिर पड़ा और कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई। यह जानने के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और किसी काम से बाहर गए मोहित के पिता रामकुमार को सूचना दी। कुछ ही देर में पुलिस भी मौके पर पहुंच गई।सीओ रामनगर गरिमा पंत ने फोरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया। सीओ के मुताबिक पूछताछ में महिला ने बताया कि उसका पति आयेदिन शराब पीकर झगड़ा करता था। महिला ने बताया कि उसने बचाव में लकड़ी से वार किया, जो जानलेवा साबित हुआ।शराब की लत में परिवार तबाह, बच्चे बदहवास– शराब की लत व घरेलू कलह ने पूरे परिवार को उजाड़ दिया। घटना के समय बेटा अभय गांव के बाहर किक्रेट खेल रहा था। बेटी मिष्ठी भी बाहर ही थी। पिता का खून से लथपथ शव देख दोनों बदहवास हो गए। गांव के लोगों के मुताबिक मोहित और शिल्पी के बीच अक्सर झगड़े होते थे और इसकी मुख्य वजह मोहित की शराब की लत थी। इस आदत ने एक परिवार को तबाह कर दिया।

दो बहनों को ले जाने पर गांव में पंचायत, दो भाइयों और उनके पिता को किया गंजा, चप्पलों से पीटा

देहात कोतवाली के गांव से दो बहनें युवकों के साथ चली गई थीं। बाद में दोनों खुद ही लौट आई थीं। बुधवार को इस मामले में गांव में पंचायत हुई, जिसमें मारपीट और गालीगलौज भी की गई। इसका वीडियो भी वायरल हो रहा है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। देहात कोतवाली क्षेत्र के एक गांव से दो नाबालिग बहनों को लेकर जाने वाले दो भाइयों और उनके पिता के बाल भरी पंचायत में मुंडवा दिए गए। साथ ही गालीगलौज करते हुए मारपीट भी की गई। इसका वीडियो

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो के आधार पर पुलिस जांच में जुट गई है।बता दें, कि करीब 10 दिन पहले एक युवक अपने ही गांव की दो नाबालिग बहनों को बहला–फुसलाकर ले गया था। इस मामले में पिता की शिकायत पर पुलिस ने तीन युवकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली थी। हालांकि दोनों बहनें खुद ही घर पहुंच गई थीं। बताया जा रहा है कि इसके बाद बुधवार को गांव में समाज के लोगों के बीच पंचायत हुई, जिसमें दोनों पक्षों के बीच समझौता भी हो गया था। सजा के तौर पर युवक, उसके भाई और पिता के बाल मुंडवाए गए।इसी दौरान वहां मौजूद किसी ने वीडियो बना लिया और उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वायरल वीडियो में युवक हाथ जोड़कर खड़ा दिखाई दे रहा है, जबकि कुछ लोग उसे गालियां देते और मारपीट करते नजर आ रहे हैं। यह वीडियो तीन मिनट 11 सेकेंड का है। ये बोले एसपी सिटी– सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो का संज्ञान लिया गया है। वीडियो के आधार पर पहचान की जा रही है। इसके बाद सिर मुंडवाने वालों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज भी होगी।– व्योम बिंदल, एसपी सिटी पहले भी हो चुकी हैं ऐसी घटनाएं– दिसंबर 2025 में शादी से इनकार करने पर एक युवक को चप्पलों की माला पहना दी थी। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इस मामले में थाना जनकपुरी पुलिस ने एक महिला समेत सात नामजद व पांच–छह अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। वर्ष 2018 में बिहारीगढ़ थाना क्षेत्र के एक गांव में पंचायत में छेड़छाड़ के आरोपी का मुंह काला कर जूतों की पहनाई गई थी। उसके बाल कटवाकर उससे दस हजार रुपये का जुर्माना भी वसूला था। इसके बाद उसे एक साल के लिए गांव से निष्कासित भी किया था। इसका वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने पीड़ित के चाचा की तहरीर पर पांच लोगों को गिरफ्तार किया था।

चार दिन पहले दम तोड़ने वाली युवती का वीडियो वायरल, विवि कर्मियों पर लगाए गंभीर आरोप

पांच अप्रैल को युवती ने आयुर्विज्ञान विवि में उपचार के दौरान दम तोड़ा था। वीडियो में युवती ने एक मैडम और भैया पर गलत व्यवहार और लापरवाही का आरोप लगाया है।आयुर्विज्ञान विवि में लापरवाही और गलत व्यवहार के चलते एक युवती की जान देने का मामला प्रकाश में आया है। चार दिन पहले आयुर्विज्ञान विवि में उपचार के दौरान दम तोड़ने वाली युवती का यह वीडियो बताया जा रहा है। युवती वीडियो में स्टाफ की एक मैडम और भैया पर गलत व्यवहार व लापरवाही का आरोप लगा रही है। हालांकि अमर उजाला इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। वीडियो वायरल होने के बाद आयुर्विज्ञान विवि ने जांच कमेटी गठित कर दी है।बताते हैं कि एक नाहिद (19) निवासी मोहल्ला फक्कड़पुरा (इमली के पास) युवती तीन अप्रैल को विश्वविद्यालय में भर्ती कराई गई थी। इलाज के दौरान उसकी हालत बिगड़ गई थी और उसने पांच अप्रैल को उसकी मौत हो गई थी। युवती की मौत से पहले का एक वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें वह अस्पताल में भर्ती के दौरान स्टाफ की एक मेडम और भैया ओर से अव्यवहार करने का आरोप लगा रही है। मामला संज्ञान में आने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने तीन सदस्यीय जांच समिति बनाई है। इस समिति का अध्यक्ष स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की प्रोफेसर हेमकली को बनाया गया है। कमेटी में उप–चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सिद्धार्थ कुमार, मुख्य नर्सिंग अधिकारी लवली जेस को भी रखा गयाा है।वीडियो का संज्ञान लेकर जांच समिति गठित कर दी गई है। जांच समिति जल्द अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। – प्रो. डॉ. सोमेंद्र पाल, प्रवक्ता आयुर्विज्ञान विवि

स्मार्ट मीटर में प्रीपेड मोड की झंझट खत्म, अब विद्युत उपभोक्ताओं के लिए खुला है ये विकल्प

बरेली जिले के 5.40 लाख विद्युत उपभोक्ताओं के लिए राहत की खबर है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण ने घरों में लगने वाले स्मार्ट मीटरों में प्रीपेड मोड की अनिवार्यता विकल्प भी ले सकते हैं। केंद्रीय विद्युत मीटरों में प्रीपेड मोड की अनिवार्यता पर निर्भर करेगा कि वह अपने कनेक्शन जिले में अभी भी करीब 5.40 लाख हालांकि अधिकारियों के पास इसका लाख विद्युत उपभोक्ता हैं। इसमें शहरी लाख उपभोक्ता हैं। जिलेभर में अब लग चुके हैं। ऐसे में शेष उपभोक्ताओं ही जिनके यहां प्रीपेड मीटर लग चुके

को समाप्त कर दी है। अब उपभोक्ता पोस्टपेड का प्राधिकरण (सीईए) ने अब घरों में लगने वाले स्मार्ट को समाप्त कर दी है। अब यह उपभोक्ताओं की इच्छा को प्रीपेड रखना चाहते हैं या पोस्टपेड। ऐसे में बरेली उपभोक्ताओं के पोस्टपेड का विकल्प खुला हुआ है। कोई आदेश नहीं प्राप्त हुआ है।जिले में कुल 6.75 क्षेत्र में 2.75 लाख तो ग्रामीण क्षेत्रों में करीब चार तक 1.35 लाख उपभोक्ताओं के स्मार्ट प्रीपेड मीटर के पास अभी भी पूरी तरह से विकल्प खुला है। साथ हैं वह भी आवेदन करके इसका लाभ ले सकते हैं। ऐसे में बुधवार को रामपुर बाग स्थित कार्यालय उपभोक्ता पहुंचे। जहां कर्मचारियों ने यह कहकर लौटा दिया कि अभी शासन स्तर से कोई आदेश नहीं प्राप्त हुआ है। स्मार्ट मीटर प्रीपेड सिस्टम लागू होने के बाद से ही शहर में बिजली बिल व अचानक लाइट कटने से उपभोक्ताओं में आक्रोश है। उपभोक्ताओं का दर्द –बाकरगंज हुसैन बाग की सरताज बी ने बताया कि मेरे घर की लाइट चार माह से स्मार्ट प्रीपेड मीटर निगेटिव होने के कारण बंद हो गई। मैं इतनी सक्षम नहीं हूं कि बिल जमा करके चालू करा सकूं। पति मजदूरी करते हैं। 34 हजार बिल कैसे जमा करूंगी।विकास नगर शांति विहार निवासी आशा देवी ने कहा कि स्मार्ट मीटर में बिल की समस्या को लेकर आई हूं। मैं मीटर को पोस्टपेड कराना चाहती हूं, जिससे उनकी लाइट न कटे। महीना पूरा होने पर जमा कर देंगी।जन आदर्श कॉलोनी के सुमित कुमार ने बताया कि प्रीपेड मीटर को पोस्टपेड कराने के लिए आए हुए हैं। निगेटिव बैलेंस होने पर अचानक से लाइट कट जाती है इस समस्या से परेशान हूं।बाग बिठ्ठान के राज कुमार ने बताया कि पिछले महीने स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगा है। 25 मार्च को 500 रुपये रिचार्ज किया था, जिसका अभी निगेटिव 111 रुपये दिखा रहा है। मैं चाहता हूं कि मीटर पोस्टपेड कर दिया जाए।वाणिज्यिक अनुभाग प्रथम 35–बी के अंकित गंगवार ने बताया कि अभी जिले स्तर पर प्रीपेड मीटर को पोस्टपेड कराने का विकल्प का कोई आदेश नहीं प्राप्त हुआ है। जिन जगहों प्रीपेड मीटर लगा है उसको पोस्टपेड में ट्रांसफर का भी सिस्टम है।

50 हजार के इनामी केशव सिंह और चंद्रशेखर का सरेंडर, आरोपी अजय प्रताप सिंह के सगे भाई हैं दोनों

बदायूं में दोहरे हत्याकांड के मुख्य आरोपी अजय प्रताप सिंह के दो सगे भाइयों ने बुधवार को कोर्ट में सरेंडर कर दिया। कोर्ट ने दोनों आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है।बदायूं के मूसाझाग थाना क्षेत्र के सैजनी स्थित एचपीसीएल के सीबीजी प्लांट में बीते 12 मार्च को दो अधिकारियों की हत्या से जुड़े मामले में 50 हजार रुपये के इनामी साजिशकर्ता केशव सिंह और उसके सगे भाई चंद्रशेखर उर्फ नन्हें ने बुधवार को नाटकीय घटनाक्रम के बीच न्यायिक मजिस्ट्रेट सौम्या अरुण की सरेंडर की भनक पुलिस को कुछ देर के लिए कोर्ट परिसर माहौल बन गया। अदालत दोनों आरोपियों का पुलिस अस्पताल में मेडिकल परीक्षण न्यायालय के आदेश पर दोनों अभिरक्षा में जेल भेज दिया कराई थी रिपोर्ट – दातागंज मोहल्ला वार्ड–4 निवासी दी तहरीर में बताया था कि वह एचपीसीएल के सीबीजी अजय प्रताप सिंह, केशव शिवम प्रताप सिंह और

अदालत में सरेंडर कर दिया। देर से लगी, जिसके चलते के बाहर अफरातफरी का में आत् मसमर्पण के बाद लाइन स्थित जिला कराया गया। इसके बाद को 14 दिन की न्यायिक गया। राहुल मिश्रा ने दर्ज कोतवाली क्षेत्र के अरैला राहुल मिश्रा ने पुलिस को 4 दिसंबर 2025 को जब प्लांट में कार्यरत था, तभी सिंह, चंद्रशेखर उर्फ नन्हें, अभय प्रताप सिंह ने मिलकर उस पर हमला बोल दिया। आरोप है कि सभी ने उसे घेरकर लाठी–डंडों और अन्य साधनों से पीटा, जिससे उसके सिर में गंभीर चोटें आईं। पीड़ित के अनुसार, जब उसने घटना की शिकायत पुलिस से करने की बात कही तो आरोपियों ने उसे घेरकर जान से मारने की धमकी दी। घटना के तुरंत बाद मूसाझाग थाने में शिकायत दी गई, लेकिन उस समय केस दर्ज नहीं किया गया। बाद में जब एचपीसीएल प्लांट में दो अधिकारियों की हत्या का मामला सामने आया, तब पुलिस ने पुराने प्रकरण को भी गंभीरता से लेते हुए इस मामले में रिपोर्ट दर्ज की। इसी मामले में दोनों भाइयों ने किया सरेंडर–यह मामला एचपीसीएल प्लांट के कर्मचारी के साथ मारपीट और जानलेवा हमले से जुड़ा है, जिसमें इन दोनों आरोपियों की भूमिका सामने आई थी। इस प्रकरण में पहले से ही अजय प्रताप सिंह, अभय प्रताप सिंह सहित उसके पांचों भाइयों के खिलाफ मूसाझाग थाने में 25 मार्च को केस दर्ज किया जा चुका है।बोले आरोपी– हमारे साथ अन्याय हुआ– कोर्ट में सरेंडर करने के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों का पुलिस लाइन स्थित अस्पताल में मेडिकल कराया। इसके बाद उनको पैदल ही चंद कदम दूर जेल ले जाया गया। जेल गेट पर मीडिया के सवालों पर केशव ने कहा कि इस मामले के बारे में हमारे वकील ही बताएंगे। वहीं चंद्रशेखर ने कहा कि अन्याय हुआ है। इसके बाद केशव ने उसे चुप रहने का इशारा किया और दोनों को जेल भेज दिया गया।जेल पहुंचे तीन सगे भाई, माता–पिता पर भी तलवार लटकी–इस मामले में मुख्य आरोपी अजय प्रताप सिंह उसके सगे भाई केशव व चंद्रशेखर अब जेल पहुंच चुके हैं। जबकि इनके पिता राजेश सिंह व मां किरन देवी पर भी विभिन्न आरोपों में केस दर्ज हैं। ऐसे में अब मां व पिता को भी जेल जाने का खतरा बना हुआ है। इस घटना ने इस पूरे परिवार को सलाखों तक ला दिया है।सरेंडर के दौरान पुलिस की चूक, हमशक्ल युवकों को पकड़ा–बुधवार को दोपहर करीब एक बजे दोनों आरोपियों के कोर्ट में सरेंडर करने की सूचना पुलिस को समय पर नहीं मिल सकी। जैसे ही सूचना मिली, पुलिस टीम कोर्ट परिसर पहुंची और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। इस दौरान पुलिस ने उनके हुलिए से मिलते–जुलते दो युवकों को संदिग्ध समझकर पकड़ लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पुलिस ने उन युवकों को कोर्ट गेट के बाहर से दौड़ाते हुए महाराणा प्रताप चौक तक ले जाकर जीप में बैठा लिया। हालांकि बाद में जब उनकी पहचान स्पष्ट हुई और वे निर्दोष निकले, तो पुलिस ने उन्हें छोड़ दिया। इस पूरे घटनाक्रम के चलते कोर्ट परिसर के आसपास कुछ देर के लिए अफरा–तफरी और भ्रम की स्थिति बनी रही। जमानत पर पुलिस की सख्त आपत्ति, नहीं मिली राहत–सरेंडर के साथ ही दोनों आरोपियों की ओर से जमानत अर्जी भी न्यायालय में दाखिल की गई, लेकिन पुलिस ने इसका कड़ा विरोध किया। पुलिस का तर्क था कि आरोपी गंभीर अपराधों में शामिल हैं और उनकी रिहाई से जांच प्रभावित हो सकती है। अदालत ने पुलिस की आपत्ति को संज्ञान में लेते हुए तत्काल जमानत पर कोई राहत नहीं दी और दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया।केशव को हत्याकांड में अहम कड़ी मान रही पुलिस–पुलिस अब 50 हजार रुपये के इनामी आरोपी केशव सिंह को रिमांड पर लेने की तैयारी में जुट गई है। इसके लिए मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट में अर्जी दाखिल की गई है। पुलिस का मानना है कि केशव हत्याकांड का अहम साजिशकर्ता है और उससे पूछताछ के दौरान कई महत्वपूर्ण खुलासे हो सकते हैं। सीओ सिटी रजनीश उपाध्याय ने बताया कि दोनों आरोपियों ने न्यायालय में सरेंडर कर दिया है। उनकी जमानत अर्जी पर पुलिस ने आपत्ति दर्ज कराई है। केशव सिंह को रिमांड पर लेने के लिए सीजेएम कोर्ट में आवेदन किया जा रहा है। रिमांड मिलने के बाद उससे एचपीसीएल हत्याकांड समेत अन्य संबंधित मामलों में पूछताछ की जाएगी।

कोतवाली पुलिस द्वारा नाबालिग बालिका बरामद, दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी।कोतवाली थाना पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए अपहृत नाबालिग बालिका को दस्तयाब कर दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 9 फरवरी 2026 को सिटी सेंटर क्षेत्र से 17 वर्षीय नाबालिग बालिका के बिना बताए घर से चले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 92/26 धारा 137(2) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई।पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले एवं नगर पुलिस अधीक्षक संजय चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में टीआई रोहित दुबे के नेतृत्व में टीम गठित की गई। पुलिस टीम द्वारा लगातार तलाश और पूछताछ के बाद 7 अप्रैल 2026 को नाबालिग बालिका को तुलसी कॉलोनी स्थित सिंह हॉस्टल के पास से बरामद किया गया।

पीड़िता के बयान के आधार पर प्रकरण में धारा 64(2)(रू) एवं पॉक्सो एक्ट की धाराएं बढ़ाई गईं। इसके बाद आरोपी विशाल शर्मा (20 वर्ष), निवासी खरई सिरसौद हाल तुलसी कॉलोनी शिवपुरी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।बरामद बालिका को उसके माता-पिता के सुपुर्द कर दिया गया, जिससे उनके चेहरे पर फिर से खुशी लौट आई।इस कार्रवाई में थाना प्रभारी रोहित दुबे, उपनिरीक्षक रामेन्द्र चौहान, उपनिरीक्षक पूजा घुरैया सहित पुलिस टीम के अन्य सदस्यों की सराहनीय भूमिका रही।

नरवाई प्रबंधन हेतु बाइब्रेंट ग्रामसभा: ग्राम आमखेड़ा कालू में किसानों को दिलाई गई नरवाई न जलाने की शपथ

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा- जिला विदिशा में नरवाई प्रबंधन को लेकर जागरूकता गतिविधियां लगातार संचालित की जा रही हैं। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशानुसार जिले में नरवाई जलाने की घटनाओं को रोकने तथा किसानों को इसके दुष्परिणामों से अवगत कराने के उद्देश्य से विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में विकासखंड नटेरन के ग्राम आमखेड़ा कालू में बाइब्रेंट ग्रामसभा के अंतर्गत नरवाई प्रबंधन को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नायब तहसीलदार श्री पीयूष जैन की उपस्थिति में ग्राम के किसानों को नरवाई न जलाने के लिए प्रेरित किया गया तथा सभी को शपथ दिलाई गई।नायब तहसीलदार श्री जैन ने किसानों को संबोधित करते हुए बताया कि नरवाई जलाने से मिट्टी में मौजूद लाभकारी सूक्ष्म जीव एवं आवश्यक पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं, जिससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति घटती है और भूमि की गुणवत्ता प्रभावित होती है। इसके परिणामस्वरूप आगामी फसल उत्पादन पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने किसानों को नरवाई जलाने पर लागू दंडात्मक प्रावधानों की जानकारी देते हुए इससे बचने की अपील की।

कार्यक्रम में क्षेत्रीय कृषि विस्तार अधिकारी श्री राघवेंद्र अहिरवार ने नरवाई प्रबंधन के वैज्ञानिक तरीकों की जानकारी दी। उन्होंने किसानों को एसएमएस (सुपर स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम) युक्त हार्वेस्टर से फसल कटाई कराने के लिए प्रेरित किया तथा खेतों में आग न लगाने की समझाइश दी। साथ ही उन्होंने सुझाव दिया कि खेतों में बचे फसल अवशेषों का उपयोग नजदीकी गौशालाओं में चारे के रूप में भी किया जा सकता है।

इस अवसर पर किसानों को उन्नत कृषि यंत्रों के उपयोग की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम में राजस्व, कृषि एवं अन्य विभागों के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित रहे।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- धर्म में अंधविश्वास क्या है, इसका फैसला करने का हमें अधिकार; सरकार का विरोध

सबरीमाला मंदिर मामले से जुड़ी सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को यह महत्वपूर्ण अवलोकन किया कि किसी धर्म में कौन सी प्रथा अंधविश्वास है, यह तय करने का अधिकार और अधिकार क्षेत्र रखता है। यह टिप्पणी केंद्र सरकार के उस तर्क के जवाब में आई जिसमें कहा गया था कि एक धर्मनिरपेक्ष अदालत इस मुद्दे पर फैसला नहीं कर सकती क्योंकि न्यायाधीश कानून के विशेषज्ञ होते हैं, धर्म के नहीं।सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश से जुड़े 2018 के फैसले के बाद सुप्रीम कोर्ट अब धर्म के भीतर अंधविश्वास की परिभाषा तय करने के अधिकार क्षेत्र पर विचार कर रहा है। बुधवार को एक नौ-न्यायाधीशों की संविधान पीठ के समक्ष हुई सुनवाई के दौरान, सुप्रीम कोर्ट ने यह महत्वपूर्ण अवलोकन किया कि किसी धर्म में कौन सी प्रथा अंधविश्वास है, यह तय करने का अधिकार और अधिकार क्षेत्र रखता है।केंद्र सरकार का तर्क और सुप्रीम कोर्ट का जवाबयह टिप्पणी केंद्र सरकार की उस दलील के जवाब में आई, जिसमें सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि एक धर्मनिरपेक्ष अदालत इस मुद्दे पर फैसला नहीं कर सकती, क्योंकि न्यायाधीश कानून के विशेषज्ञ होते हैं, न कि धर्म के। मेहता ने तर्क दिया कि यदि कोई प्रथा अंधविश्वास मानी भी जाती है, तो यह तय करना अदालत का काम नहीं है, बल्कि संविधान के अनुच्छेद 25(2)(बी) के तहत विधायिका का काम है कि वह सुधार कानून बनाए। उन्होंने कहा कि विधायिका किसी विशेष प्रथा को अंधविश्वास बताकर उसमें सुधार कर सकती है, जैसा कि जादू-टोना और अन्य ऐसी प्रथाओं को रोकने के लिए कई कानून बनाए गए हैं।हालांकि, न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह ने मेहता के इस तर्क को बहुत सरल बताते हुए कहा कि अदालत के पास यह तय करने का अधिकार और अधिकार क्षेत्र है कि कोई चीज अंधविश्वास है या नहीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसके बाद क्या होगा, यह विधायिका का काम है, लेकिन अदालत में यह नहीं कहा जा सकता कि विधायिका का निर्णय ही अंतिम होगा।न्यायिक विशेषज्ञता और धार्मिक विविधता पर सवाल- सॉलिसिटर जनरल मेहता ने यह भी तर्क दिया कि एक धर्मनिरपेक्ष अदालत यह तय नहीं कर सकती कि कोई धार्मिक प्रथा केवल अंधविश्वास है, क्योंकि अदालत के पास ऐसी विद्वत्तापूर्ण क्षमता नहीं हो सकती। उन्होंने कहा %आप (न्यायाधीश) कानून के क्षेत्र के विशेषज्ञ हैं, धर्म के नहीं।% मेहता ने यह भी कहा कि नागालैंड के लिए जो धार्मिक हो सकता है, वह किसी और के लिए अंधविश्वास हो सकता है, क्योंकि समाज अत्यंत विविध है। न्यायमूर्ति बागची का सवाल- इस पर न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची ने एक महत्वपूर्ण सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि यदि जादू-टोना को धार्मिक प्रथा का हिस्सा माना जाए, तो क्या उसे अंधविश्वास नहीं माना जाएगा? उन्होंने मेहता से पूछा कि यदि अदालत के पास अनुच्छेद 32 के तहत ऐसी याचिका आती है कि जादू-टोना की एक धार्मिक प्रथा मौजूद है, और विधायिका खामोश है, तो क्या अदालत %खाली क्षेत्र के सिद्धांत% का उपयोग करके स्वास्थ्य, नैतिकता और सार्वजनिक व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए ऐसी प्रथा को प्रतिबंधित करने का निर्देश नहीं दे सकती? सॉलिसिटर जनरल ने जवाब दिया कि न्यायिक समीक्षा की जा सकती है क्योंकि यह %स्वास्थ्य, नैतिकता और सार्वजनिक व्यवस्था% के अंतर्गत आता है, न कि इसलिए कि यह अंधविश्वास है।न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना ने एक अलग दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हुए कहा कि किसी आवश्यक धार्मिक प्रथा को निर्धारित करते समय, अदालत को उस विशेष धर्म की फिलॉसफी के लेंस से देखना चाहिए। उन्होंने कहा, %आप किसी अन्य धर्म के विचारों को लागू नहीं कर सकते और कह सकते हैं कि यह आवश्यक धार्मिक प्रथा नहीं है। अदालत का दृष्टिकोण उस धर्म की फिलॉसफी को लागू करना है, जो स्वास्थ्य, नैतिकता और सार्वजनिक व्यवस्था के अधीन हो।%

संक्षिप्त समाचार

प्रदेश के 70 लाख प्रीपेड मीटर किए जाएंगे पोस्टपेड, आयोग में दायर की गई याचिका

यूपी में बिना सहमति के लगाए गए प्रीपेड मीटर अब पोस्टपेड किए जाएंगे। इस संबंध में एक याचिका दायर की गई है।प्रदेश में बिना सहमति के 70 लाख से ज्यादा उपभोक्ताओं के स्मार्ट प्रीपेड मीटर को पोस्टपेड मोड में बदलने का मामला बुधवार को नियामक आयोग पहुंच गया है। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने नियामक आयोग में याचिका दायर कर मांग की कि सभी कम्पनियों को निर्देशित किया जाए कि प्रीपेड को तत्काल पोस्टपेड में बदला जाए।उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने बुधवार को विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष अरविंद कुमार तथा सदस्य संजय कुमार सिंह से मुलाकात कर लोकहित प्रस्ताव (याचिका) दाखिल किया। इसमें बताया कि केंद्र सरकार द्वारा विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 47 (5) के तहत उपभोक्ताओं को प्रीपेड एवं पोस्टपेड मीटर चुनने का विकल्प है।ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर द्वारा लोकसभा में दिए गए स्पष्टीकरण तथा केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा 1 अप्रैल 2026 को जारी अधिसूचना में भी स्पष्ट है कि सिर्फ स्मार्ट मीटर की अनिवार्यता है। प्रीपेड या पोस्ट पेड चुनना उपभोक्ता के ऊपर निर्भर करता है।

इसलिए सभी बिजली कंपनियों एवं पावर कॉरपोरेशन को तत्काल निर्देश जारी किए जाएं कि बिना उपभोक्ताओं की सहमति के प्रीपेड मोड में परिवर्तित किए गए लगभग 70 लाख स्मार्ट मीटरों को तुरंत पोस्टपेड मोड में बदला जाए। परिषद का कहना है कि नई अधिसूचना के जारी होने के 8 दिन बाद भी उत्तर प्रदेश में नए कनेक्शनों पर प्रीपेड मीटर अनिवार्य किया जाना केंद्र सरकार के आदेशों की अवहेलना है। सात दिन में आयोग ने मांगा जवाब-6 अप्रैल को केस्को कानपुर में सुनवाई के दौरान जबरन प्रीपेड मीटर लगाए जाने के मामले में विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 47(5) के उल्लंघन को लेकर अवमानना प्रस्ताव आयोग को सौंपा गया था। इस पर आयोग ने पावर कॉरपोरेशन एवं संबंधित कंपनी के प्रबंध निदेशक से 7 दिनों के भीतर रिपोर्ट मांगी है।उपभोक्ता को मिलेगा अधिकार- वर्मा-उपभोक्ता परिषद अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने प्रदेश के सभी बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे चिंतित न हों। परिषद का दावा है कि इस मुद्दे पर केंद्र स्तर पर स्पष्टता मिल चुकी है और जिन उपभोक्ताओं के स्मार्ट मीटर बिना सहमति के प्रीपेड मोड में बदले गए हैं, उन्हें पुनः पोस्टपेड मोड में परिवर्तित कराया जाएगा।परिषद ने यह भी कहा कि यदि समय रहते नियामक आयोग द्वारा बिजली कंपनियों को स्पष्ट निर्देश जारी नहीं किए गए, तो उपभोक्ताओं को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ेगा और वे केंद्र सरकार द्वारा दिए गए अधिकारों का लाभ नहीं उठा पाएंगे। प्रदेश की बिजली कंपनियों में बड़े पैमाने पर भारत सरकार केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा जारी अधिसूचना वी लोकसभा में ऊर्जा मंत्री द्वारा दिए गए बयान के बाद पूरे प्रदेश में उपभोक्ता बिजली दफ्तर पहुंच रहे हैं। पावर कारपोरेशन का आदेश न जारी होने की वजह से क्षेत्रीय अधिकारी उनका समाधान नहीं कर रहे हैं या पूरी तरह उपभोक्ताओं के अधिकारों का हनन है ऐसे में बिजली कंपनियों के खिलाफ सख्त कदम उठाया जाना जरूरी है।

पुत्र ने सीएचसी प्रभारी की कुर्सी पर बैठ दिए निर्देश, विधायक पिता बोले- यह सम्मान, कोई दिक्कत नहीं

स्वार सीएचसी में विधायक पुत्र उमैर अंसारी के प्रभारी की कुर्सी पर बैठकर निर्देश देने के वायरल वीडियो मामले में जांच शुरू हो गई है। दो सदस्यीय टीम ने करीब एक घंटे तक सीएचसी प्रभारी से पूछताछ की। उधर, विधायक ने कहा कि कोई उनका पुत्र का सम्मान करता है तो इसमें कोई परेशानी नहीं है। विधायक पुत्र उमैर अंसारी के सीएचसी प्रभारी की कुर्सी पर बैठकर दिशा निर्देश देने के मामले में दो सदस्यीय टीम ने स्वार सीएचसी पहुंकर करीब एक घंटे तक प्रभारी से बंद कमरे में पूछताछ की। बुधवार को दो सदस्यीय टीम में पहुंचे डॉ. आरके वर्मा और डॉ. सत्यमूर्ति तोमर ने स्वार सीएचसी प्रभारी डॉ. राजीव कुमार चंदेल से बंद कमरे में पूछताछ की।जांच के बाद टीम के सदस्यों से जानकारी मांगी गई तब उन्होंने बताया कि जांच की गई है। रिपोर्ट सीएमओ को प्रेषित की जाएगी। गौरतलब है कि तीन अप्रैल को स्वार विधायक शफीक अहमद अंसारी के बेटे उमैर अंसारी सीएचसी पहुंचे थे।इस दौरान उनके साथ पुलिस बल भी मौजूद था। वहां पर सीएचसी प्रभारी की कुर्सी बैठकर दिशा निर्देश देते हुए विधायक पुत्र का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। इस मामले में सीएमओ डॉ. दीपा सिंह ने दो सदस्यीय कमेटी गठित कर जांच शुरू करा दी थी।इस मामले को तोड़ मरोड़कर विरोधियों ने अनावश्यक रूप से तूल दिया है। मैं उस दिन बाहर था, इसलिए मरीजों से मिली शिकायतों की जानकारी लेने के लिए अपने बेटे को भेजा था, न कि किसी प्रकार का औपचारिक निरीक्षण कराया गया। यदि कोई उनके बेटे का सम्मान करता है तो इसमें किसी को क्या दिक्कत है। - शफीक अहमद अंसारी, विधायक स्वारविधायक शफीक के बेटे का एक और वीडियो वायरल- स्वार से अपना दल एस के विधायक शफीक अहमद अंसारी के बेटे उमैर अंसारी का एक और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में उमैर एक रेस्टोरेंट से बाहर निकलकर अपनी कार के पास पहुंचते हैं तो दरबान के अंदाज में साथ चल रहा एक सिपाही दौड़कर गाड़ी का दरवाजा खोलता है।विधायक पुत्र के स्वार सीएचसी के निरीक्षण और प्रभारी की कुर्सी पर बैठने की वीडियो क्लिप से शुरू हुई चर्चाएं थमने से पहले एक और वीडियो सामने आ जाने से सोशल मीडिया पर कमेंट का सिलसिला शुरू हो गया है। इस वीडियो को फेसबुक में डालने वाले शख्स ने लिखा है कि यह हैं स्वार-टांडा विधानसभा क्षेत्र से माननीय विधायक शफीक अंसारी के सुपुत्र उमैर अंसारी।इनकी सुरक्षा में दो सुरक्षा कर्मी लगे हैं, जो कि इनकी गाड़ी का गेट खोलकर माननीय को गाड़ी में बैठा रहे हैं। क्या यह आधिकारिक रूप से इनकी सुरक्षा में लगे हैं या फिर माननीय विधायक की सुरक्षा में नियुक्त किए गए सुरक्षा कर्मी हैं, यह जांच का विषय है।

गूगल मैप ने दिखाया मौत का रास्ता, बंद को दिखा दिया खुला, टक्कर लगते ही फटे दिल और फेफड़े

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर रखे पत्थरों से दिल्ली निवासी बीटेक के दो छात्रों प्रयागराज और कपिल की कार टकरा गई। बागपत में मवीकलां के पास हादसा हुआ। दोनों की मौके पर मौत हो गई। दोनों गूगल मैप के जरिये हरिद्वार की ओर जा रहे थे। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर मवीकलां के पास लगाए गए पत्थरों से टकराने पर बीटेक के छात्रों प्रयागराज कौशिक (25) निवासी आर्य नगर और कपिल पाराशर (24) निवासी कुंज एक्सटेंशन-दो नांगलोई दिल्ली की मौत हो गई। ये दोनों अपने परिवार में इकलौते बेटे थे। प्रयागराज के पिता राजेंद्र कौशिक नीति आयोग में अवर सचिव हैं। ये लोग गूगल मैप के जरिये एक्सप्रेस वे पर चढ़े थे, जबकि इसे पत्थर लगाकर बंद किया गया था। अवर सचिव राजेंद्र कौशिक ने बताया कि उनका बेटा प्रयागराज कौशिक हरियाणा के बहादुरगढ़ की पीडीएम यूनिवर्सिटी में बीटेक की पढ़ाई कर रहा था। मंगलवार को प्रयागराज अपने दोस्त कपिल पाराशर को बीटेक फाइनल की डिग्री मिली। यूनिवर्सिटी से ही की कामना करने की बात कहकर निकले के साथ हरिद्वार में गंगा स्नान और प्रसाद चढ़ाकर नौकरी पर मवीकलां गांव के पास रास्ता रोकने थेमंगलवार रात करीब 12 बजे दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे टकरा गई। इस हादसे में प्रयागराज और के लिए रखे गए बड़े पत्थरों से उनकी टाटा पंच गाड़ी पुलिसकर्मियों ने घटना के बारे में सूचना उसके दोस्त कपिल की मौके पर ही मौत हो गई।उनको दी। उन्होंने बताया कि प्रयागराज और कपिल मोबाइल

में गूगल मैप पर रास्ता देखकर हरिद्वार की तरफ जा रहे थे। पुलिस के अनुसार मोबाइल में हादसे के समय गूगल मैप खुला हुआ मिला। एलिवेटेड मार्ग से आगे एक्सप्रेसवे को गूगल मैप पर चालू और रास्ता क्लियर दिखाया गया था, लेकिन एक्सप्रेसवे पर चढ़ते ही हादसा हो गया। इस मामले में सीओ विजय चौधरी का कहना है कि एक्सप्रेसवे पर रास्ता रोकने के लिए लगवाए गए पत्थरों से गाड़ी टकराने से हादसा हुआ है। इस मामले में परिजन कोई शिकायत देंगे तो उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी। गूगल मैप के सहारे न रहें, खुद भी रखें ध्यान-सीओ विजय चौधरी ने कहा कि गूगल मैप के सहारे ही नहीं रहना चाहिए। सफर करते हुए खुद भी ध्यान रखें, इस तरह अपनी सुरक्षा कर सकते हैं। एक्सप्रेसवे का 14 अप्रैल को उद्घाटन होना है और इसलिए ही वाहनों को रोकने के लिए पत्थर रखे गए हैं। पत्थर अस्थायी होने के कारण गूगल मैप पर रास्ता साफ दिखाई देता है और इस कारण यहां हादसे होते हैं। कोहरे के दौरान भी कई बार हादसे हुए थे और तब यातायात पुलिस को तैनात करना पड़ा था।एक अन्य कार भी पत्थरों से टकराई-बीटेक के छात्रों की कार टकराने के कुछ देर बाद ही वहां पत्थरों से एक अन्य वैगनआर कार भी पत्थर से टकराई। उस कार को चला रहे युवक अमित को ज्यादा चोट नहीं आई और उसे साथी तुरंत ही अस्पताल ले गए। वहां से उपचार के बाद उनको छुट्टी दी गई। इन हादसों को देखते हुए अधिकारियों ने वहां रात में पुलिस को तैनात करने की बात कही गई है।दोनों के दिल और फेफड़े फटे मिले- एक्सप्रेसवे पर हादसे में जान गंवाने वाले कपिल और प्रयागराज के दिल, फेफड़ों पर चोट लगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में कपिल का दिल और फेफड़ा फटा हुआ मिला। वहीं प्रयागराज का फेफड़ा फटा हुआ था। चिकित्सकों के अनुसार दिल और फेफड़ा फटने से दोनों की मौत हुई है।

If you have a sore throat, try these remedies immediately.

If you're experiencing a sore throat due to the changing weather, try some home remedies. They may provide relief. Our throats are one of the first to be affected by changing weather. Due to hot and cold winds, dust, and infections, sore throats, pain, and irritation become common. Sometimes, this problem becomes so severe that speaking and swallowing become difficult. In such situations, people immediately resort to medication, but some simple home remedies can provide significant relief. Home remedies are not only safe but also have no side effects. If taken promptly, a sore throat can be cured quickly. So, let's share some of these remedies. Gargle with salt water - Salt has antiseptic properties that help eliminate bacteria in the throat. Gargling provides quick relief from throat irritation, pain, and 2-3 times a day inflammation. Make sure the water isn't too hot, as it could harm the throat. Honey and Ginger - A mixture of honey and ginger is very beneficial for sore throats. Honey forms a protective layer on the throat, reducing irritation and dryness. Ginger has antibacterial and anti-inflammatory properties that help fight infection. Taking ginger juice mixed with a teaspoon of honey 2-3 times a day provides relief. Turmeric Milk - Turmeric has natural antibiotic and anti-inflammatory properties that reduce throat infections and inflammation. Drinking half a teaspoon of turmeric mixed with a glass of warm milk before bed provides relief to the throat. It also boosts immunity. This remedy is also beneficial for coughs and colds. Steam Inhalation - Steam inhalation is extremely beneficial for the throat and respiratory system. It reduces throat inflammation and clears blocked noses, making breathing easier. If desired, you can add eucalyptus or carom seeds to the steam. Taking steam 1-2 times a day provides quick relief. Drinking warm water- Drinking lukewarm water keeps the throat moist and reduces dryness. It also loosens the mucus accumulated in the throat and provides relief from pain. Drinking warm or lukewarm water throughout the day while avoiding cold water or beverages is very helpful in sore throat. Tulsi decoction- A decoction made from basil, black pepper and ginger is an effective home remedy for sore throat and infection. Its antibacterial and antioxidant properties increase the body's immunity. Consuming it 1-2 times a day provides quick relief from throat pain and cough.

This special salt will bring back dry plants.

Adding the right amount of Epsom salt (magnesium sulfate) to plants can help them grow greener faster. It helps improve plant growth, leaf greenness, and flower quality. If your houseplants are gradually wilting or their leaves are turning yellow, it's certainly a cause for concern. Often, people provide adequate water and sunlight, yet their plants fail to thrive. This is often due to a lack of essential nutrients in the soil, which we often overlook. According to gardening experts, plants need not only water but also proper nutrition from time to time. In this regard, a special type of salt—Epsom Salt—is considered very beneficial. It's rich in magnesium and sulfur, essential elements for plant growth. If used correctly, even dry and weak plants can become lush and healthy again. In this article, we'll explain what this salt is, how to use it, and what precautions you should take to ensure your plants remain thriving. What is Epsom salt? Epsom salt is a mineral compound containing magnesium and sulfate. It helps plants produce chlorophyll, keeping leaves green and strong. How to use it on plants? Mix 1 teaspoon of Epsom salt in a liter of water. Pour this water on plants 1-2 times a month. This provides essential nutrients. For which plants is it most beneficial? Tomatoes, peppers, roses, and money plants – these plants show rapid growth with Epsom salt. Be careful when using it: don't use too much and avoid applying it weekly. Use only as needed for soil growth. What else can you do for better growth? Water on time, ensure adequate sunlight is available, and keep dry leaves away. These simple tips help keep plants healthy.

Your rotis will stay soft for hours, follow these simple tips.

To keep rotis soft for a long time, it's essential to knead the dough properly, bake them correctly, and store them in an airtight container. Applying ghee and wrapping them in a cloth keeps them soft. Roti is a staple in Indian cuisine, but it's common to see rotis harden quickly. Especially when preparing them in advance, keeping them soft is crucial for children's lunch or for traveling. Hard and dry rotis not only spoil the taste but also make them difficult to chew. Many people think it depends solely on the quality of the flour, but in reality, there are many small kitchen secrets behind keeping rotis soft. The method of kneading the dough, the correct proportion of water, and the rolling and baking techniques all play a role in keeping rotis soft. If you want your rotis to remain soft and tasty for a long time, you'll need to follow some simple yet effective tips. In this article, we'll share five essential tips that will keep your rotis soft for hours. The right way to knead dough: To make rotis, knead the dough with lukewarm water. Be careful not to knead the dough too hard. A soft dough is the prerequisite for soft rotis. Be sure to let the dough rest for 15-20 minutes after kneading. This sets the gluten, making the rotis softer. Toast the dough properly: Don't leave the rotis on the pan for too long. Cook on a medium flame. Overcooking can make them tough. Apply ghee or butter: Apply a light layer of ghee after making the rotis. This helps keep them moist for hours. Store them properly: Wrap the rotis in a cloth. Use an airtight container. This keeps the rotis soft for a long time.

Desi Girl's charming style in swimwear, Priyanka Chopra seen eating raw mango; shared a relaxing moment

Desi Girl Priyanka Chopra may be away from Bollywood, but she shares special moments of her life with her fans. The actress shared some pictures of herself enjoying her Sunday on social media. Fans were mesmerized by her swimwear look. Priyanka Chopra has become immersed in the world of Hollywood. These days, she occasionally visits India for the shooting of the film 'Varanasi'. Additionally, she stays connected with her fans through social media. On Monday, the Desi Girl shared some pictures on social media, giving fans a glimpse of her different looks. Captivating pictures in swimwear and bikini - Priyanka Chopra shared several pictures on her Instagram post, in which she is seen with her close friends, enjoying her Sunday to the fullest. The Desi Girl posted some captivating pictures in swimwear and bikini, which fans have greatly appreciated. Priyanka Chopra enjoys raw mangoes - Mango season is about to arrive. Priyanka also shared some photos of herself eating raw mangoes. While living abroad, she too is giving full importance to the local fruit. Fans also liked this information very much. Priyanka Chopra enjoying relaxing moments - Priyanka Chopra is also seen enjoying relaxing moments. In the caption shared with the photo, she writes, "One of those rare occasions when Sunday really felt like Sunday." She further writes, "And other things." In this way, Priyanka seems to be remembering the leisurely Sundays and moments spent with her loved ones. Also posted a photo of her mother and daughter Malti - Priyanka Chopra also posted a photo of her mother Madhu Chopra and daughter Malti. In it, grandmother and granddaughter are seen having fun. It is worth noting that Priyanka is often seen on vacation with her mother. She takes full care of her mother after the death of her father.

"Take my money back," Akshay Kumar gave Ekta Kapoor a check after the film flopped; producer reveals

Actor Akshay Kumar and Ekta Kapoor are currently in the news for their upcoming film, "Bhoot Bangla." Meanwhile, Ekta Kapoor shared an interesting anecdote about Akshay. Find out what the story is. Akshay Kumar are Director Priyadarshan and actor reuniting after 14 years, as their film, "Bhoot Bangla," is set to release in theaters on April 17th. The film's trailer was recently released, further increasing fans' excitement. During the trailer launch, Ekta Kapoor shared an interesting anecdote about Khiladi Kumar. Ekta Kapoor was shocked: During the trailer launch event for "Bhoot Bangla" in Mumbai, Ekta Kapoor shared her experience with Akshay. After the failure of the film "Once Upon a Time in Mumbai Dobaara," actor Akshay Kumar took a step that surprised Ekta Kapoor. Ekta said, "Very few people know this. He gave me a check and said, "This is your money. You've suffered a loss, take your money back." And I was shocked. Nobody does that. Nobody has done that in my 31-year career. He very casually gave me the check and said, "Take this, take it back." Do a film for me. However, Ekta Kapoor refused to take the money. She convinced Akshay Kumar to do another film with her. Ekta said, "I told him, 'No, you do a film for me. If you do a film with me, I will earn a lot.' And then the film finally happened."

"Khatron Ke Khiladi 15" returns after two years; when will Rohit Shetty resume shooting? Learn special updates about the show.

After two years, the reality show "Khatron Ke Khiladi 15" is returning to television. The show is hosted by Rohit Shetty, famous for his action films. Sources close to the show have shared some special details about "Khatron Ke Khiladi 15" with Amar Ujala. The reality show "Khatron Ke Khiladi 15" is set to return to television with a bang. Preparations for this season are in full swing. According to sources, host Rohit Shetty and the contestants are expected to leave for Cape Town, South Africa, in the second week of May. This time too, the show's schedule is extended. The entire shooting is planned to be completed in approximately 50 days. According to a source close to "Khatron Ke Khiladi 15," "Once the team reaches Cape Town, the shoot will continue uninterrupted." There's no option for a break, as the stunt setup, locations, and the entire unit work together. Consequently, the entire season will be shot in a single flow, with a target completion time of approximately 50 days. Planning to wrap up "Golmaal 5" before departure - A clear strategy is also being developed regarding Rohit Shetty's schedule. A source said, "Rohit sir has set his calendar so that a significant portion of "Golmaal 5" is completed before leaving for "Khatron Ke Khiladi," as he is completely preoccupied with that project during the show. Upon returning, his focus will shift directly to the film's post-production. Currently, the timing between the film and the show is being managed very closely." Farhana Bhatt and Harsh Gujral are at the forefront - several popular names are emerging for this season. Names like Digvijay Rathi, Isha Malviya, Farhana Bhatt, Ankit Gupta, Manisha Rani, Gaurav Khanna, Tanya Mittal, Abhishek Bajaj, and Arbaaz Patel are being discussed. The source further added, "Talks with several contestants are in the final stages. The entire list hasn't been finalized yet, but the makers have almost agreed on some names. Talks with Farhana Bhatt and Harsh Gujral are quite advanced, and they are being considered for this season." Dates are becoming a hurdle for Tanya Mittal. Tanya Mittal's name is also said to be on the makers' preferred list. However, her entry is currently stuck on dates. The source added, "Tanya has been offered both 'Khatron Ke Khiladi' and Ekta Kapoor's show. She is excited about both projects, but scheduling a match is difficult. The makers want her to appear on this season, and that's why discussions are ongoing." Tanya is also trying to adjust her dates so that a decision on either of them can be made soon.' The show will premiere by the end of July 2026 - If everything goes according to the scheduled timeline, the telecast of 'Khatron Ke Khiladi' is not far away. A source said, "The channel is trying not to delay the show for long this time. Editing and promotion will begin as soon as the shoot is over. The plan is to have season 15 on air by the end of July."